www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 30.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.755g

चांदी 107,000kg

2 मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता, मतदान के अधिकार को अलग करके नहीं देखा जा सकता

ड्राइवर ने यात्री को खिलाया नशीला पदार्थ 04

वर्ष :09 | अंक :38 | मुंबई , मंगलवार , 29 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में 16 महीनों में 981 किसानों ने की आत्महत्या, भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे पर लगाया आरोप

कर्नाटक में 2024 से 2025 के मध्य तक 981 किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 825 की पुष्टि योग्य किसान आत्महत्याओं के रूप में हुई है, जबकि 138 अन्य कारणों से हुई हैं। राज्य सरकार ने अब तक 807 परिवारों को मुआवजा दिया है। 18 मामलों में, मुआवजा अभी भी लंबित है। सभी ज़िलों में हावेरी में सबसे ज्यादा 128 किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। मैसूरु में 73, धारवाड़ में 72 और बेलगावी में 71 किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। इसके विपरीत, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, उडुपी और कोलार से किसी भी किसान आत्महत्या की सूचना नहीं मिली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने किसानों की बढ़ती दुर्दशा के लिए कांग्रेस सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि किसानों में यह दहशत कांग्रेस सरकार की लापरवाही की वजह से है। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से कृषि क्षेत्र में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, किसानों को लाभ पहुँचाने वाली योजनाएँ बंद कर दी गईं।

दिल्लीवालों की सेहत के लिए एमसीडी का बड़ा कदम, डेंगू-मलेरिया से निपटने को 3 अस्पताल अलर्ट

डेंगू दुनिया भर के कई देशों में एक आम बीमारी है, जिनमें अमेरिका, अफ्रीका, मध्य पूर्व, एशिया और प्रशांत द्वीप समूह शामिल हैं। दुनिया की लगभग आधी आबादी, यानी लगभग 4 अरब लोग, डेंगू के जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं। जोखिम वाले क्षेत्रों में डेंगू अक्सर ज्वर संबंधी बीमारियों का एक प्रमुख कारण होता है। इन क्षेत्रों में डेंगू के प्रकोप की खबरें अक्सर आती रहती हैं। दिल्ली नगर निगम ने डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मद्देनजर तीन अस्पतालों को प्रहरी निगरानी केंद्र के रूप में नामित किया है तथा इन बीमारियों के मामलों में इस मौसम में वृद्धि को रोकने के लिए उपाय तेज कर दिये हैं। रविवार को, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने घोषणा की कि हिंदू राव अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल और कस्तूरबा अस्पताल में जरूरी इंतजाम कर उन्हें प्रहरी निगरानी अस्पतालों का दर्जा दिया गया है। इन अस्पतालों में मामलों में अपेक्षित वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए समर्पित बिस्तर और विशेष संसाधन उपलब्ध होंगे। शर्मा ने बताया कि हिंदू राव अस्पताल में 70, स्वामी दयानंद अस्पताल में 22 और कस्तूरबा अस्पताल में 75 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। उन्होंने कहा, दवाओं, अंतःशिरा द्रव्यों और प्लेटलेट समेत सभी आवश्यक चिकित्सा जरूरतें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायी गयी हैं।

कभी नहीं पूछा कि हमने कितने दुश्मन के विमान मार गिराए...

विपक्ष पर राजनाथ सिंह ने साधा निशाना

मानसून सत्र

संसद के मानसून सत्र के दौरान राजनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने कहा कि हर देश में, नागरिक विपक्ष और सरकार को अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ सौंपते हैं। सरकार की भूमिका नागरिकों के लिए काम करना है, और विपक्ष की भूमिका नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछना है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष पर निशाना साधा और ऑपरेशन सिंदूर पर शुरूआती बहस के दौरान गलत सवालों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। संसद के मानसून सत्र के दौरान राजनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने कहा कि हर देश में, नागरिक विपक्ष और सरकार को अलग-अलग ज़िम्मेदारियाँ सौंपते हैं। सरकार की भूमिका नागरिकों के लिए काम करना है, और विपक्ष की भूमिका नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछना है। विपक्ष के कुछ सदस्य पूछ रहे हैं कि हमारे कितने विमान मार गिराए गए? मुझे लगता है कि उनका सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि फाल्गाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया सैन्य अभियान सफल रहा। उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें कोई सवाल पूछना ही है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, और इसका उत्तर है, हाँ... अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा। इसका उत्तर है, हाँ। क्या आतंकवादियों के सरगनाओं को नष्ट किया गया? हाँ। अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो यह पूछें: क्या इस ऑपरेशन में हमारे किसी बहादुर सैनिक को कोई नुकसान पहुँचा? इसका उत्तर है, नहीं, हमारे किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुँचा... । भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान को ऐतिहासिक बताते हुए, सिंह ने उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

क्या ट्रंप के कहने पर भारत ने युद्ध विराम स्वीकार किया... सपा सांसद रमाशंकर ने सीजफायर पर सरकार को घेरा

आपने रोका क्यों?

राजनाथ सिंह से राहुल गांधी ने पूछा

पहलगाम आतंकी हमले पर लोकसभा में राजनाथ सिंह के बयान के दौरान, राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने पर सवाल पूछा। रक्षा मंत्री ने जवाब दिया कि पाकिस्तान ने खुद युद्धविराम की मांग की थी और भारत ने अपने सभी सैन्य उद्देश्यों को पूरा कर लिया था, जिसमें आतंकवाद की नर्सरी को समाप्त करना शामिल था। संसद में जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने कैसे युद्ध विराम पर सहमति जताई, तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी अचानक उठ खड़े हुए और पूछा, आपने रोका क्यों? यह बातचीत पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत की प्रतिक्रिया पर लोकसभा में विशेष बहस के दौरान हुई।

बैसरन में आतंकी कैसे घुसे, कांग्रेस का सरकार से सवाल

गौरव गोगोई बोले- पीओके अगर आज नहीं लेंगे, तो कब लेंगे?

गौरव गोगोई ने कहा कि पूरा देश और विपक्ष पीएम मोदी का समर्थन कर रहा था। अचानक 10 मई को हमें पता चला कि युद्ध विराम हो गया है। क्यों? हम पीएम मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आप रुके क्यों, और किसके सामने आत्मसमर्पण किया? ऑपरेशन सिंदूर पर बहस में बोलते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में कहा कि राजनाथ सिंह ने बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने कभी उल्लेख नहीं किया कि कैसे

पाकिस्तान से आतंकवादी पहलगाम पहुंचे और 26 लोगों को मार डाला। राष्ट्र के हित में सवाल पूछना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम आज राजनाथ सिंह से जानना चाहते हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराए गए।

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा समेत 3 आतंकी ढेर

पाकिस्तान की स्पेशल सर्विस ग्रुप का कमांडो रह चुका; सेना ने ऑपरेशन महादेव में मार गिराया

मूसा पिछले साल श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग पर जेड-मोड़ सुरंग के निर्माण में शामिल सात लोगों की हत्या में भी शामिल था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने इस अभियान का नेतृत्व किया। आतंकवादियों के ठिकाने से लगभग 17 ग्रेनेड, एक एम4 कार्बाइन और दो एके-47 राइफलें बरामद की गईं।

एजेंसी

आतंकवाद-रोधी एक बड़ी सफलता में, भारतीय सेना के विशेष बलों ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा को मार गिराया। सीमा पार आतंकी नेटवर्क से जुड़े एक प्रमुख आतंकवादी मूसा को हफ्तों के समन्वित खुफिया प्रयासों के बाद एक उच्च-तीव्रता वाले अभियान में मार गिराया गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के दाचीगाम के पास हरवान के घने जंगलों में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए। मूसा पिछले साल श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग पर जेड-मोड़ सुरंग के निर्माण में शामिल सात लोगों की हत्या में भी शामिल था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने इस अभियान का नेतृत्व किया। आतंकवादियों के ठिकाने से लगभग 17 ग्रेनेड, एक एम4 कार्बाइन और दो एके-47 राइफलें बरामद की गईं। श्रीनगर के दाचीगाम इलाके में माउंट महादेव के पास सशस्त्र बलों को तीन विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सूत्रों के अनुसार, ₹महादेव₹ नाम संभवतः इसलिए दिया गया क्योंकि यह अभियान जबरवान और महादेव पर्वत श्रृंखलाओं के बीच हुआ था। सूत्रों ने बताया कि जुलाई की शुरूआत में दाचीगाम के जंगल में सेना ने एक संदिग्ध संचार को पकड़ा था, जिसके बाद लश्कर और जैश के आतंकवादियों के एक संयुक्त समूह पर 14 दिनों तक कड़ी नजर रखी गई। इस जानकारी की पुष्टि स्थानीय खानाबदोशों ने भी की, जिन्होंने आतंकवादियों के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद, सेना की कई टीमें इलाके में भेजी गईं।

ऑपरेशन महादेव की बड़ी बातें...

- पहलगाम हमले के आतंकवादियों ने जिन उपकरणों का इस्तेमाल किया था, उस से मिलते-जुलते एक तकनीकी संकेत के बाद हरवान के जंगलों में अभियान शुरू किया।
- लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों की एक टुकड़ी ने तीन आतंकवादियों का पता लगाया और उन पर अचानक हमला कर दिया।

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला; भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को भी हराया

महाराष्ट्र की दिव्या ने सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी को 1.5-0.5 से हराया से। दिव्या ने पहले गेम में सफेद मोहरों से खेलते हुए 101 चालों में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने बीच गेम में लगातार दबाव बनाकर झोंगयी को गलतियां करने पर मजबूर किया। क्वीन की अदला-बदली के बाद भी दिव्या की स्थिति मजबूत थी, हालांकि झोंगयी ने एक समय वापसी की कोशिश की और बढ़त ले ली। लेकिन समय की कमी में झोंगयी ने गलत चाल चली, जिसका फायदा उठाकर दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ जीत हासिल करने में सफल रहीं।

एजेंसी

फिडे शतरंज महिला वर्ल्ड कप 2025 : आज खेले गये रैपिड राउंड में दिव्या देशमुख ने सफेद मोहरों के साथ आक्रामक शुरूआत की। हंपी ने काले मोहरों से खेलते हुए मैच को ड्रॉ करवाया और मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर ली। रैपिड राउंड के दूसरे गेम में काले मोहरों से खेलती हुई दिव्या देशमुख शुरूआत से हावी रहीं। कोनेरू रैपिड राउंड के दूसरे गेम में गलती की और दिव्या ने उसका फायदा उठाया। दिव्या ने टाईब्रेक में हंपी को 1.5-0.5 के स्कोर से हराया। इस जीत के साथ अब वह 88वीं भारतीय ग्रैंडमास्टर बन गई हैं।

दिव्या देशमुख की जीत पर पीएम मोदी का रिएक्शन

प्रधानमंत्री मोदी ने फिडे चेस वर्ल्ड कप फाइनल में दिव्या देशमुख की जीत पर अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया. पीएम मोदी ने लिखा कि 'दो शानदार भारतीय शतरंज खिलाड़ियों के बीच एक ऐतिहासिक फाइनल'. पीएम ने आगे लिखा कि 'युवा दिव्या देशमुख के वूमेंस वर्ल्ड चैंपियन 2025 बनने पर गर्व है. इस शानदार जीत के लिए उन्हें बधाई, जो कई युवाओं को प्रेरित करेगी'. पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि 'कोनेरू हम्पी ने भी पूरी चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन किया. मैं दोनों खिलाड़ियों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं'.

चिदंबरम बोले-कैसे पता चला कि पहलगाम आतंकी पाकिस्तान से आए

एनआईए के पास इसका क्या सबूत; हमलावर देश के भी तो हो सकते हैं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम का पहलगाम हमले पर 2 दिन पहले दिए बयान पर विवाद हो गया है। उन्होंने कहा था कि कैसे पता कि आतंकी पाकिस्तान से आए थे। कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री का यह बयान संसद में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा के कुछ घंटे पहले आया।

एजेंसी

चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा, वे (एनआईए) यह बताने को तैयार नहीं हैं कि इन हफ्तों में उन्होंने क्या किया? क्या ठकअ ने आतंकवादियों की पहचान की है या यह पता लगाया है कि वे कहां से आए थे? क्या पता, वे देश के ही आतंकवादी हों। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे। इसका कोई सबूत नहीं है।'इधर, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा- कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की जल्दी की है। जब भी हमारी सेना पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना करती है। कांग्रेस के नेता इस्लामाबाद के वकील ज्यादा लगते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में कांग्रेस हमेशा दुश्मन को बचाने में जुट जाती है। पी चिदंबरम के बयान पर भाजपा नेताओं के रिएक्शन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- कांग्रेस अब गद्दार संगठन बन चुकी है। आज जो कांग्रेस अपनी आजादी की लड़ाई में भागीदारी पर गर्व करती है, उसकी क्या हैसियत रह गई है। राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करते हैं। इनके ऊपर भारी भ्रष्टाचार के आरोप हैं। इन्होंने देश को बेचने की ठान ली थी।

पी चिदंबरम के इंटरव्यू की बड़ी बातें...

- प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहे: सरकार सवालों से क्यों बच रही है। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। आपको क्या लगता है कि लोकतंत्र के मंदिर में बहस करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों है?
- सरकार को बताना चाहिए युद्धविराम कैसे हुआ: कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या सरकार इस बात से असहज है कि उनसे पूछा जाएगा कि युद्धविराम कैसे हुआ क्योंकि सच कहूं तो इसकी घोषणा भारत सरकार ने नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी।

या तो ट्रंप को चुप कराओ या भारत में मैकडॉनल्ड्स बंद करो...

दीपेंद्र हुड्डा का मोदी सरकार को दो टूक

एजेंसी

नयी दिल्ली। सदन में ऑपरेशन सिन्दूर पर बोलते हुए कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि डोनाल्ड (ट्रम्प) को चुप कराओ, डोनाल्ड का मुंह बंद कराओ या फिर हिंदुस्तान में मैकडॉनल्ड्स को बंद कराओ। दीपेंद्र हुड्डा ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबसे बड़ी रणनीतिक भूल तब हुई जब विदेश मंत्री ने कहा कि हम सैन्य या नागरिक बुनियादी ढाँचे को निशाना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बयान देकर सरकार ने पाकिस्तानी सेना और सरकार को क्लीन चिट दे दी।हुड्डा ने आगे कहा कि आपने बार-बार कहा है, और दुनिया भी मानती है।

'लोकतंत्र पर वार' एसआईआर के खिलाफ विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

खड़गे, राहुल, सोनिया और अखिलेश भी हुए शामिल

प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दर्शाता है।

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेता सोमवार को मतदाता सूची के विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन में सभी विपक्षी दलों ने भाग लिया, नेताओं ने लोकतंत्र पर वार लिखे बैनर और स्टॉप सर लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिसमें सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया गया। प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दर्शाता है। इस बीच, संसद के चल रहे मानसून सत्र में अपनी ताकत दिखाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल सभी सहयोगी दलों के सांसदों को बुलाया है।

जस्टिस वर्मा कैश कांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बड़ी सुनवाई

कपिल सिब्बल से लेकर लूथरा तक मैदान में दिग्गज वकीलों की फौज

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने याचिका की रूपरेखा और न्यायाधीश के आचरण पर तीखे सवाल उठाए। याचिका में आंतरिक पैनल के निष्कर्षों और तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की सिफारिश को अमान्य ठहराने की मांग की गई है। यह घटना 14-15 मार्च, 2024 की है, जब दिल्ली पुलिस को न्यायाधीश के सरकारी बंगले के अंदर अधजली नकदी मिली थी।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई शुरू की। न्यायमूर्ति वर्मा ने आंतरिक न्यायिक जाँच के निष्कर्षों को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर अधजले नोट मिलने के संबंध में कदाचार का दोषी ठहराया गया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने याचिका की रूपरेखा और न्यायाधीश के आचरण पर तीखे सवाल उठाए।

आंदोलन | **बोलीं- अपनी अस्मिता और मातृभाषा को नहीं भूल सकते**

टैगोर की धरती से ममता ने छेड़ा 'दूसरा भाषा आंदोलन'

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी अस्मिता, मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मजदूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते। भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च टूरिस्ट लॉज चौराहे से शुरू हुआ और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ। हाथ में टैगोर का चित्र लिए हुए ममता ने सड़क के दोनों ओर खड़ी भीड़ का अभिवादन करते हुए रैली का नेतृत्व किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रतुल मुखोपाध्याय का प्रतिष्ठित विरोध गान अमी बांग्लाय गान गाई गाया, जबकि सफेद और लाल साड़ियां पहने महिलाओं ने शंख बजाया, जिससे रैली में एक विशिष्ट बंगाली संस्कृति का रंग भर गया। ममता ने अपनी जानी-पहचानी सूती साड़ी और शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती का पारंपरिक दुपट्टा पहन रखा था। उनके साथ वरिष्ठ तृणमूल नेता और मंत्री थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टैगोर की भूमि और बंगाल के सांस्कृतिक केंद्र बोलपुर को चुना जाना एक गहरे प्रतीकात्मक महत्व को दर्शाता है। ममता ने पिछले हफ्ते तृणमूल कार्यकर्ताओं से 28 जुलाई से एक नए आंदोलन के लिए तैयार रहने की अपील की थी और उन्होंने इसे दूसरा आंदोलन कहा था, जो ढाका (तब पूर्वी पाकिस्तान में) में 1952 के ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन के समान है, जहां छात्रों ने बांग्ला को पाकिस्तान की आधिकारिक के रूप में मान्यता देने की मांग करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

“पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाली प्रवासियों पर हमलों के खिलाफ भाषा आंदोलन की शुरूआत की, अपनी अस्मिता और मातृभाषा को न भूलने का आह्वान किया। रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि बोलपुर में हुए इस प्रतीकात्मक विरोध मार्च को उन्होंने 1952 के ऐतिहासिक ढाका भाषा आंदोलन से जोड़ा। यह पहल बंगाली पहचान और सांस्कृतिक विरासत पर जोर देती है।

अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें, वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड में सीईओ और अन्य दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। वक्फ बोर्ड के पूर्व सीईओ खान पर साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) दिग विनय सिंह ने अमानतुल्लाह खान और महबूब आलम के खिलाफ साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप तय किए। अन्य नौ आरोपियों पर अदालत ने साजिश के अपराध का आरोप लगाया है। उक्त अवधि के दौरान, इन नियुक्तियों के समय, आप विधायक 2016 में बोर्ड के अध्यक्ष थे। आरोप पर विस्तृत आदेश अभी अदालत द्वारा अपलोड किया जाना बाकी है। अदालत ने सभी आरोपियों, अमानतुल्लाह खान, महबूब आलम, हामिद अख्तर, किफायतुल्लाह खान, रफीउल्लाह खान, इमरान अली, मोहम्मद अहरार, अकीब जावेद, अजहर खान, जाकिर खान और अब्दुल मन्नार को आरोप पढ़कर सुनाए। किसी भी आरोपी ने न तो अपना दोष स्वीकार किया और न ही मुकदमे की मांग की।

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनके समेत 11 आरोपियों पर आरोप तय किए हैं। खान पर 2016 में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए सीईओ और अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की अवैध नियुक्ति में साजिश और भ्रष्टाचार का आरोप है।

सम्पादकीय

बाजार संभावनाओं को भुनाने का मौका, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है

भारत के खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर में पीछे रहने का एक बड़ा कारण खाद्यान्न भंडारण का अभाव है। अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से 12 से 14 प्रतिशत तक खाद्यान्न बर्बाद हो जाता है। कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। देश में लोगों की बढ़ती आमदनी, शहरीकरण के कारण बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों में परिवर्तन के कारण भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का बाजार आकार तेजी से बढ़ रहा है। हाल में डेलायट और फिक्की द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर एक रिपोर्ट जारी की गई। इसके मुताबिक देश में परिवारों के खाद्य बजट का वित्त वर्ष 2000-01 में अनाज और दालों पर 40 प्रतिशत खर्च किया जाता था, वह वित्त वर्ष 2023-24 में यह खर्च घटकर महज 14 प्रतिशत पर पहुंच गया। देश में खानपान तो लगभग हर आय वर्ग का बदला है, लेकिन शहरी संपन्न वर्ग अब अपने मासिक खाद्य बजट का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पैकेज्ड फूड, बाहर खाने और डिलीवरी पर खर्च कर रहा है। ग्रामीण भारत में भी इसी तरह का बदलाव दिख रहा है। ग्रामीण खपत अनाज से पेय पदार्थों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ रही है। रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार कृषि उत्पाद जब तैयार भोजन का रूप लेता है तो उसके मूल्य में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होती है। पीएचडी चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण बाजार का आकार वर्ष 2023 में करीब 307 अरब डालर था, इसके वर्ष 2030 तक करीब 700 अरब डालर पर पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात बढ़कर वर्ष 2030 तक 125 अरब डालर होने की उम्मीद है। इसे देखते हुए भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार शुरू किए हैं। भारत खाद्य प्रसंस्करण में सौ प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारीकरण, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ) जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। पिछले दस वर्षों में भारत को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का एफडीआइ प्राप्त हुआ है। इस दौरान हमारी खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना बढ़कर दो सौ लाख टन से अधिक हो गई है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत- डेरी, फल एवं सब्जी, अनाज, मांस, मछली एवं पोल्ट्री तथा उपभोक्ता वस्तुएं, पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ आते हैं।

आज का विचार

दुःख भी बड़ी अजीब चीज़ है
जब खुद पर बीतती है तो 'सच' लगता
और दूसरों पर बीतती है तो 'ड्रामा'

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि: करियरः प्रशासनिक क्षेत्र में पदोन्नति के योग हैं. पुराने रुके काम पूरे होंगे. बिजनेसः व्यापार में आर्थिक उन्नति होगी और प्रॉपर्टी में निवेश लाभकारी रहेगा. धनः आय में वृद्धि होगी, रुका पैसा वापस मिलेगा. शिक्षाः नए विषयों में रुचि बढ़ेगी और पढ़ाई में फोकस रहेगा. लव/ पारिवारिकः परिवार में सामंजस्य रहेगा, पत्नी और बच्चों के साथ लंबी यात्रा संभव.

वृषभ राशि: करियरः कार्यक्षेत्र में आपके कार्य की प्रशंसा होगी. अधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे. बिजनेसः निवेश करना लाभकारी रहेगा. धनः आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. शिक्षाः छात्रों को मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिकः पत्नी से मतभेद की संभावना. उपायः मां दुर्गा को लाल फूल अर्पित करें.

मिथुन राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में बदलाव से बचें. बिजनेसः पार्टनरशिप में सावधानी बरतें. धनः धन हानि की संभावना. शिक्षाः पढ़ाई में फोकस बनाए रखें. लव/पारिवारिकः विरोधी वर्ग परेशान कर सकते हैं. उपायः गणेश जी को मोदक अर्पित करें.

कर्क राशि: करियरः अधिकारियों से मतभेद बढ़ सकते हैं. बिजनेसः व्यापार में रुकावटें आ सकती हैं. धनः अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है. शिक्षाः पढ़ाई में मन भटक सकता है. लव/पारिवारिकः पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता होगी. उपायः शिवलिंग पर जल चढ़ाएं.

सिंह राशि:करियरः काम में सफलता मिलेगी और पदोन्नति संभव है. बिजनेसः व्यापार में लाभ होगा. प्रॉपर्टी निवेश शुभ रहेगा. धनः आय में बढ़ोतरी होगी. शिक्षाः पढ़ाई में फोकस रहेगा. लव/पारिवारिकः परिवार में मांगलिक कार्य होंगे और नए मेहमान का आगमन संभव.

कन्या राशि : करियरः नए प्रोजेक्ट में सफलता मिलेगी. बिजनेसः व्यापार में आर्थिक लाभ होगा. धनः कर्ज से राहत मिल सकती है. शिक्षाः शिक्षा में प्रगति के योग. लव/पारिवारिकः भाई और परिवार का सहयोग मिलेगा. उपायः तुलसी के पौधे की पूजा करें.

तुला राशि:करियरः लंबी यात्रा करनी पड़ सकती है. बिजनेसः प्रॉपर्टी से जुड़े कामों में परेशानी. धनः खर्च बढ़ सकता है. शिक्षाः पढ़ाई में ध्यान बनाए रखें. लव/पारिवारिकः पत्नी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. उपायः माता दुर्गा को सिंदूर चढ़ाएं.

वृश्चिक राशि:करियरः नौकरी में अधिकारियों से संबंध अच्छे रखें. बिजनेसः नया काम शुरू करते समय विचार करें. धनः आय स्थिर रहेगी. शिक्षाः पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी. लव/पारिवारिकः परिवार के आंतरिक मामलों को सुलझाएंगे. उपायः भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाएं.

धनु राशि : करियरः नया कार्य शुरू करने में सफलता मिलेगी. बिजनेसः व्यापार में लाभ होगा. धनः रुका धन प्राप्त होगा. शिक्षाः पढ़ाई में उत्साह बढ़ेगा. लव/पारिवारिकः मान-सम्मान बढ़ेगा और नए वाहन खरीदने के योग. उपायः भगवान विष्णु की पूजा करें.

मकर राशि: करियरः वाद-विवाद से दूर रहें. बिजनेसः व्यापार में नुकसान हो सकता है.धनः अनावश्यक खर्च बढ़ेगा. शिक्षाः पढ़ाई में व्यवधान संभव. लव/पारिवारिकः पैतृक संपत्ति को लेकर झगड़ा हो सकता है. उपायः शनि देव को तिल का तेल चढ़ाएं.

कुंभ राशि: करियरः कोर्ट कचहरी के मामले में फंस सकते हैं. बिजनेसः बड़ा निवेश करने से बचें. धनः व्यापार में हानि की संभावना. शिक्षाः ध्यान भटक सकता है.

मीन राशि :करियरः अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा. बिजनेसः नया काम शुरू करने की योजना सफल होगी. धनः आर्थिक स्थिति बेहतर होगी. शिक्षाः पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी. लव/पारिवारिकः ससुराल पक्ष से मतभेद हो सकते हैं. उपायः केले के पेड़ की पूजा करें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मताधिकार का स्पष्ट आधार है नागरिकता, मतदान के अधिकार को अलग करके नहीं देखा जा सकता

चुनाव आयोग को बिल्कुल ऐसा ही करना चाहिए कि वह प्रत्येक कानूनी कसौटी के अनुसार आगे बढ़े। इस संदर्भ में उसे अपेक्षित अधिकार भी मिल हुए हैं। अनुच्छेद 326 से लेकर निर्वाचन संबंधी कानून यह स्पष्ट करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। चुनाव आयोग अपने इस कर्तव्य से बंधा हुआ है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक मोर्चे पर तकरार जारी है। तकरार में एक मुद्दा नागरिकता और मताधिकार का भी है। आज सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई भी होनी है। राजनीतिक कोलाहल से इतर देखा जाए तो यह संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके गहरे निहितार्थ हैं, क्योंकि संविधान यह प्रविधान करता है कि 25 साल से अधिक का कोई मतदाता देश के किसी भी हिस्से से विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और यहां तक कि प्रधानमंत्री भी बन सकता है। इसलिए यह चुनाव आयोग का दायित्व बन जाता है कि ऐसा कोई भी व्यक्ति मतदाता न बनने पाए जो भारत का नागरिक न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग को संविधान ने पर्याप्त अधिकार भी दिए हैं। अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को निर्वाचक नामावली के रखरखाव तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से निर्वाचनों के संचालन की शक्ति देता है और उसके कार्यों को परिभाषित करता है। वहीं, अनुच्छेद 326 में यह उपबंध है कि लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के निर्वाचन, वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे, भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु इस संबंध में विधि द्वारा यथानिर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम न हो और जो अन्यथा अयोग्य घोषित न किया गया हो, ऐसे किसी भी निर्वाचन में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा। नागरिकता का यही संदर्भ जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1950 की धारा 16 में है। इसके अनुसार जो व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं, वह मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का भी पात्र नहीं। इस तरह संविधान और संसद द्वारा पारित निर्वाचन संबंधी कानून दोनों स्पष्ट रूप से यह प्रविधान करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक को ही मतदान का अधिकार मिल सकता है। जनप्रतिनिधि कानून की धारा 14 यह भी निर्धारित करती है कि जहां तक मतदाता सूची को तैयार करने का सवाल है तो यह कवायद संबंधित वर्ष की जनवरी, अप्रैल, जुलाई या अक्टूबर से शुरू की जा सकती है। धारा 21 चुनाव आयोग को लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनाव से पहले उपयुक्त तिथि के संदर्भ में अपेक्षाओं के अनुरूप मतदाता सूची तैयार करने या उसे संशोधित करने का अधिकार प्रदान करती है। इसे देखते हुए मतदाता सूची से जुड़ी चुनाव आयोग की कवायद पर सवाल उठाना बेतुका ही कहा जाएगा। इसका विरोध करने वाले राजनीतिक दलों के तर्क गले नहीं उतरते। इस संदर्भ में एक बहुत दिलचस्प मामला है। यह मामला किसी और से नहीं, बल्कि खुद नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ा है। इसमें गैर-भारतीय नागरिक के मतदाता बनने और फिर एक जागरूक नागरिक द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद उस नाम को मतदाता सूची से हटाना पड़ा था। यह जनवरी 1980 की बात है। दिल्ली में मतदाता सूची संशोधित की जा रही थी। उस संशोधन में सोनिया गांधी का नाम शामिल किया गया था, जबकि उस समय वे इटली की नागरिक थीं। उस समय जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 लागू था। उसके अंतर्गत सूची में शामिल होने के लिए मतदाता को अपना नाम, पता, जन्मतिथि की जानकारी के साथ यह उद्घोषणा भी करनी थी कि वह भारत का/की नागरिक है। इन दावों के सत्यापन के बाद ही चुनाव प्राधिकारी संस्था संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज करती थी। उस कानून में यह प्रविधान भी था कि किसी गलत दावे या गलत प्रतिनिधित्व के मामले में ऐसा करने वाले व्यक्ति को छह महीनों की कारावास तक हो सकती थी। सोनिया गांधी का मूल नाम एंटोनिया माइनो था। उनका विवाह 1968 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र राजीव गांधी से हुआ था। नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत आवेदन करने पर पांच साल बाद 1973 में वे भारत की नागरिक बन सकती थीं, लेकिन उन्होंने इसके लिए आवेदन ही नहीं किया। अपनी इतालवी नागरिकता के बावजूद नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी और मेनका गांधी के साथ उनका नाम भी जोड़ दिया गया था। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत के बाद इंदिरा गांधी ने राजीव गांधी को राजनीति में उतारा। चूंकि राजीव औपचारिक राजनीति में उतर गए थे और उस स्थिति में सोनिया के लिए अपनी इतालवी नागरिकता को कायम रखना विरोधियों के हाथों में एक मुद्दा थमा देता, इसलिए सोनिया गांधी ने अंततः 7 अप्रैल, 1983 को नागरिकता के लिए आवेदन किया और 30 अप्रैल, 1983 को उन्हें भारतीय नागरिकता मिल गई। हालांकि इससे पहले ही बिना भारतीय नागरिकता के उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था। इसे लेकर एक प्रबुद्ध नागरिक ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी और 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटाना पड़ा था।

नागरिकता और मताधिकार के जिस विवाद के केंद्र में स्वयं सोनिया गांधी रहीं, उसे देखते हुए कांग्रेसियों का यह राग अलापना समझ नहीं आता कि नागरिकता के पहलू का मतदान अधिकार से कोई सरोकार नहीं होना चाहिए। समझ नहीं आता कि विपक्षी दलों के नेता बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की कवायद को लेकर क्यों आसमान सिर पर उठाए हुए हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी तो यहां तक कहने में लगे हैं कि चुनाव आयोग को भाजपा के निर्देश पर काम न करते हुए कानून के हिसाब से अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। चुनाव आयोग को बिल्कुल ऐसा ही करना चाहिए कि वह प्रत्येक कानूनी कसौटी के अनुसार आगे बढ़े। इस संदर्भ में उसे अपेक्षित अधिकार भी मिल हुए हैं। अनुच्छेद 326 से लेकर निर्वाचन संबंधी कानून यह स्पष्ट करते हैं कि केवल भारतीय नागरिक ही देश के मतदाता हो सकते हैं। चुनाव आयोग अपने इस कर्तव्य से बंधा हुआ है। वह ऐसी गुंजाइश बिल्कुल भी नहीं छोड़ सकता कि कोई गैर-भारतीय नागरिक मतदाता सूची का हिस्सा बन जाए।

क्या छात्र-छात्राओं की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता से शिथिल प्रशासनिक मिशनरी में कोई नई हलचल पैदा होगी?

कमलेश पांडेय

देश के शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं (स्टूडेंट्स) की आत्महत्या और उनमें बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य (मेंटल हेल्थ) की समस्याओं पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने शुक्रवार को जो चिंता जताई है, वह अकारण नहीं है बल्कि इसके पीछे उन हजारों परिवारों और लाखों लोगों की बेदना छिपी हुई है जो ऐसे मामलों में अपने परिजनों को गंवा चुके है। इन घटनाओं में कोई बचपन में ही अनाथ हो गया तो कोई बुढ़ापे में बेसहारा। इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि क्या छात्र-छात्राओं की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता से शिथिल प्रशासनिक मिशनरी में कोई नई हलचल पैदा होगी? या फिर उसकी यह पहलकदमी भी नक्कारखाने में तूती की आवाज मानिंद दबी रह जायेगी। बता दें कि ऐसा बिल्कुल नहीं कि केंद्र व राज्य सरकारें इन घटनाओं से अनजान हैं, बल्कि उसने तो 1960 के दशक में ही इन मामलों में संजीदगी दिखाई और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 1966 से ही भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी करनी शुरू कर दिए। ततपश्चात आत्महत्या के कारणों और उससे बचने के उपायों पर ब्रेक के बाद आत्ममंथन किया गया लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात निकले और देश में आत्महत्या के मामलों में हाल के वर्षों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही वजह है कि गत दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए देश में कोई माकूल कानून नहीं है। बहरहाल इसे देखते हुए कोर्ट ने 15 गाइडलाइंस जारी की जो तब तक पूरे देश में लागू और बाध्यकारी होंगी, जब तक कि कोई स्पष्ट व पारदर्शी कानून इस बारे में नहीं बन जाता है। कोर्ट के मुताबिक, ये दिशा निर्देश (गाइडलाइंस) सभी सरकारी, सार्वजनिक व प्राइवेट स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण और कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों (हॉस्टलों) पर लागू होंगी, चाहे वे किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय से संबद्ध हों। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने नीट (ठएएळ) की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में सुनवाई करते हुए ये गाइडलाइंस जारी की। साथ ही, छात्रा की मौत की सीबीआई से जांच कराने का भी आदेश दिया है। कोर्ट का यह कहना सही है कि जब तक तत्सम्बन्धी कानून नहीं बनेंगे, तब तक उसके नए दिशानिर्देश लागू रहेंगे। इसके अलावा मेंटल हेल्थ नीति भी सबके लिए बनानी होगी। उसने दो टूक कहा कि सभी शिक्षण संस्थान यूनिफॉर्म मेंटल हेल्थ पॉलिसी अपनाएंगे और इसे अपने सूचना पट और वेबसाइट पर जारी करेंगे। इसके अलावा, एक सौ से अधिक (100+) छात्रों वाले संस्थानो में मेंटल हेल्थ प्रफेशनल जैसे- ट्रेड काउंसलर, सायकायट्रिस्ट को रखना होगा। इसके लिए वे दक्ष प्रफेशनल नियुक्त करें। इन्हें स्टूडेंट-काउंसलर अनुपात का भी ध्यान रखना होगा यानी इनके यहां छोटे छोटे बैचों में समर्पित काउंसलर नियुक्त हो, जिनसे एग्जाम में सहयोग मिल सके। वहीं, सुरक्षा उपाय भी करने होंगे जिसके तहत हॉस्टल की छतों, बालकनी और पंखों जैसी जगहों पर सुरक्षा उपकरण लगाने होंगे। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि कोचिंग सहित सभी संस्थान अव्यवहारिक बैच विभाजन नहीं करें, खासकर प्रदर्शन के आधार पर। कहने का तातपर्य यह कि सभी संस्थान प्रदर्शन के आधार पर छात्रों को अलग अलग बैच में डालने से बचें क्योंकि इससे छात्रों में कुंठा की भावना पैदा होती है। इसके अलावा, कोर्ट ने किसी भी तरह के उत्पीड़न पर कठोर रुख अपनाया है और जाति, लिंग, धर्म, दिव्यांगता, की शिकायत का मेकेनिजम बनाने का निर्देश दिया है। खासकर यौन आधार पर उत्पीड़न के प्रयासों पर त्वरित संजीदगी दिखाने को कहा है। कोर्ट ने इमरजेंसी में हेल्प प्रदान करने की भी बात कही है और संस्थानों में अस्पताल, हेल्पलाइनों के नंबर स्पष्ट अक्षरों में प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सभी संस्थाओं के स्टाफ ट्रेनिंग पर जोर देते हुए सुझाव दिया है कि कर्मचारियों को साल में कम से कम दो बार ट्रेंड मेंटल हेल्थ प्रफेशनल से ट्रेनिंग दी जाए। इसके अलावा, अभिभावकों (पैरंट्स) में भी जागरूकता लायी जाए। इस नजरिए से माता-पिता के लिए जागरूकता सेशन करें और उन्हें बच्चों में अत्यधिक प्रेशर न डालने को कहें। यदि यह सबकुछ कर लिया गया तो निःसन्देह ऐसी अप्रत्याशित घटनाएं रोकी जा सकती हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 के लिए भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट जारी की थी जिससे जुड़ी एडीएसआई रिपोर्ट ही आत्महत्या से होने वाली मौतों पर देश में एकमात्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट है। बताते चलें कि 1966 में पहली बार प्रकाशित एडीएसआई की रिपोर्ट के बाद से आत्महत्या की दर में नाटकीय वृद्धि देखी गई है। साल 2022 में तो आत्महत्या की दर 2021 से 4.2% बढ़कर 08 से 12.2 प्रतिशत 100,000 जनसंख्या (1,64,033 से 1,70,924) हो गई, जो 56 वर्षों में दर्ज की गई सर्वाधिक उच्चतम दर है। इसी वर्ष यानी 2022 में ही भारत सरकार ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति शुरू की, जो आत्महत्या रोकथाम के लिए एक देशव्यापी दृष्टिकोण को स्पष्ट करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस रणनीति में 2020 के आधार वर्ष की तुलना में आत्महत्या से होने वाली मौतों में 10% की कमी लाने का स्पष्ट लक्ष्य रखा गया है। हालाँकि, दर में तीव्र वृद्धि से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अंतर बढ़ गया है। इस वर्ष के आंकड़ों से कुछ उल्लेखनीय अवलोकन से पता चलता है कि आत्महत्या के पीछे उम्र, क्षेत्र और पेशे भी कारक बन रहे हैं, इसलिए छात्र जीवन से ही इन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जहां तक आत्महत्या और उम्र का सवाल है तो आंकड़े इस बात की चुगली करते हैं कि सभी आयु समूहों में आत्महत्या की दर औसतन 5 प्रतिशत बढ़ी है।

भारत डॉक्टरों और नर्सों का निर्यात कर रहा है, देश को उनकी भी जरूरत है

विजय गर्ग

देशों में स्वास्थ्य कार्यबल की मांग और आपूर्ति एक कठिन समस्या है, अधिकांश देशों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों और नर्सों की कमी है और 2030 तक 18 मिलियन स्वास्थ्य श्रमिकों की अनुमानित वैश्विक कमी है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता देशों में प्रवास करते हैं, प्रवाह आमतौर पर ग्लोबल साउथ के देशों से उत्तर में रहने वालों के लिए होता है। जिन देशों से स्वास्थ्य पेशेवर पलायन करते हैं, वे भी आंतरिक आपूर्ति की कमी का सामना करते हैं। उदाहरण के लिए, श्रीलंका व्यापक परित्याग का गवाह है, जिसे अन्य देशों के पेशेवरों को प्राप्त करके (आंशिक रूप से) संबोधित किया जाता है। अनुमानित 10-12 प्रतिशत विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टर और नर्स उन देशों से आते हैं, जिन्हें स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के लिए जाना जाता है। ओईसीडी डेटा अनुमान बताते हैं कि 2009 से 2019 के बीच, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन में 25 प्रतिशत से 32 प्रतिशत डॉक्टर और अमेरिका दक्षिण एशिया और अफ्रीका के मेडिकल ग्रेजुएट थे। भारतीय डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्य पेशेवर दुनिया भर के देशों में प्रवास करते हैं - लगभग 75,000 भारतीय प्रशिक्षित डॉक्टर ओईसीडी देशों में काम करते हैं, और अनुमानित 640,000 भारतीय नर्स विदेश में काम करती हैं। फिलीपींस एक और उदाहरण है - देश नर्सों और अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों के बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए प्रसिद्ध है। 193,000 से अधिक फिलीपींस-प्रशिक्षित नर्स विदेश में काम करती हैं, जो दुनिया भर में सभी फिलिपिनो नर्सों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा हैं। अर्थशास्त्र और भूराजनीति पुश और पुल कारकों के संयोजन के माध्यम से इस तरह के प्रवास की सीमा और प्रकृति को प्रभावित करते हैं। सीमित कैरियर विकास और कम मजदूरी प्रमुख आर्थिक धक्का कारक हैं। स्रोत देश में राजनीतिक अस्थिरता और संघर्ष अक्सर राजनीतिक धक्का कारक होते हैं। व्यापार समझौते जो प्रवास को प्रोत्साहित करते हैं, स्वास्थ्य संकट जो स्वास्थ्य कार्यकताओं को कुछ क्षेत्रों में खींचते हैं और अंतर्राष्ट्रीय भर्ती नीतियां सभी पुल कारक हैं, जो बदले में, स्रोत देशों में कमी में योगदान करते हैं। फिलीपींस और भारत जैसे देशों ने स्वास्थ्य कार्यकताओं के निर्यात को प्रोत्साहित करने, उन्हें प्रेषण और आर्थिक लाभ के स्रोतों के रूप में देखने के लिए नीतियों को औपचारिक रूप दिया है। फिर भी, दोनों देशों में स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है।

प्रेषण और कौशल विकास के रूप में संभावित लाभ के बावजूद, पहले से ही कमी का सामना कर रहे देशों में कार्यबल क्षमता की हानि लाभ को बढ़ाती है। इसलिए, एक संतुलित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय नीति प्रतिक्रिया है जो व्यक्ति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली और वैश्विक इक्विटी की जरूरतों पर केंद्रित है।राजनयिक लाभ के लिए क्रॉस-कंट्री माइग्रेशन का अक्सर लाभ उठाया जाता है। भारत, जिसे पहले से ही दुनिया की फामेर्सी के रूप में जाना जाता है, अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के प्रवास का लाभ उठाता है, प्रेषण और निवेश के माध्यम से आर्थिक लाभ को बढ़ावा देता है, स्वास्थ्य क्षेत्रों में अपने वैश्विक प्रभाव को बढ़ाता है, और परिपत्र प्रवास और द्विपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों के माध्यम से मस्तिष्क नाली की चुनौतियों का प्रबंधन करता है। इसने पड़ोसी और अफ्रीकी देशों में चिकित्सा पेशेवरों को तैनात करके कोविद महामारी के दौरान चिकित्सा कूटनीति को बढ़ाया। अब जरूरत है कि अधिक व्यापक बातचीत करने पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाए - और लागू करने योग्य - स्रोत और गंतव्य देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते, जिसमें संभावित रूप से मुआवजा तंत्र, चिकित्सा शिक्षा में लक्षित निवेश, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, या प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल हो सकते हैं

अमेरिका से बिजनेस वीजा पर आकर पुणे में चला रहा था धर्मांतरण का कारोबार, पिंपरी चिंचवड पुलिस ने किया अरेस्ट

पुणे में पिंपरी चिंचवड पुलिस ने धर्मांतरण के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक अमेरिकी नागरिक शैफर जविन जैकब है। जैकब पर लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए माइंडवॉश करने का आरोप है। वह रुपयों का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराता था। पुलिस ने स्टीवन विजय कदम को भी गिरफ्तार किया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे : उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण का बड़ा खुलासा हुआ। छांगुर बाबा के कारनामे ने पूरे देश में बड़े स्तर पर लव जिहाद और धर्मांतरण का खुलासा किया। अब महाराष्ट्र में पिंपरी चिंचवड पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शख्स अमेरिका का नागरिक हैं। वे यहां पर रहकर लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए माइंडवॉश करते थे। वे उन्हें रुपयों और सुविधाओं का लालच देकर इसाई धर्म में आने को कहते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए शख्स का नाम शैफर जविन जैकब है। वह 2016 में भारत आया था। वह तब से यहां लगातार आ रहा है। वह कई बार टूरिस्ट और बिजनेज वीजा पर भारत आ चुका है। पुलिस ने जैकब के साथ एक नाबालिग को भी गिरफ्तार किया है। नाबालिग को फंसायापुलिस ने बताया कि अमेरिकी नागरिक की उम्र 41 साल है। वह कैलिफोर्निया का रहने वाला है। वह पिंपरी चिंचवड के मुकाई चौक के पास एक अपार्टमेंट में रह रहा था। पुलिस ने इस सिलसिले में 46 वर्षीय स्टीवन विजय कदम को भी अरेस्ट किया है। वह पिंपरी के रायसोनी सोसायटी में रहता है। नाबालिग लड़का 16 साल का है। उसे उसकी मां को सौंप दिया गया है।

हर किसी को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संदेह, चिदंबरम के बयान का जिक्र करके बोल गए सपा नेता अबु आजमी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिंदबरम द्वारा पहलगाम के हमलावरों के पाकिस्तानी होने पर शंका जताए जाने के बीच सपा नेता अबु आजमी ने विवाद खड़ा करने वाला बयान दिया है। नई दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की चर्चा के बीच अबू आजमी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर पर सभी को शक है। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने कहा कि हाल ही में कांग्रेस के एक नेता (पी. चिदंबरम) ने कहा था कि वो आतंकवादी पाकिस्तान से नहीं आए थे। जब पूरे विपक्ष ने उनसे पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कही, तब भी उन्होंने कुछ नहीं किया। आजमी ने ऐसे वक्त पर यह बयान दिया है जब 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड मूसा उर्फ सुलेमान को ढेर किया है।अबु आजमी ने उठाए सवालसपा नेता अबु आजमी ने ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए पहमगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक ऐसी जगह जहां इतने सारे पर्यटक आते हैं। लगभग हर दिन वहां आतंकवादी गतिविधियां होती हैं। इतना कुछ होने के बाद भी वहां कोई सुरक्षा नहीं थी। उन आतंकवादियों ने लोगों का नाम पूछकर उन्हें मार डाला। लोग शक कर रहे हैं कि मामला क्या है? पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर आतंकवादियों ने गोली मारी थी। इस जघन्य हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर कार्रवाई की थी। इसके बाद सीजफायर हुआ था। ऐसे में जब संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो रही है तब आजमी ने अपने बयान से विवाद खड़ा कर दिया है।

फास्ट ट्रैक

संकुल पाठक की अध्यक्ष पद पर नियुक्ति

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

आज दिनांक 28/7/25 को पालघर में एक भव्य कार्यक्रम में ग्राहकों के हित में कार्य करने वाली संस्था यशवंत ग्राहक आधार प्रतिष्ठान, महाराष्ट्र प्रदेश के वसई विरार शहर जिला के अध्यक्ष के रूप में श्री संकुल जनार्दन पाठक की यशवंत ग्राहक आधार प्रतिष्ठान के संस्थापक/अध्यक्ष श्री सूर्यकांत गवली ने नियुक्ति पत्र देकर नियुक्ति की। इस अवसर पर श्री गवली जी ने कहा कि ₹ग्राहक हिताय, ग्राहक सुखाय₹ के घोष वाक्य को ध्यान में रखते हुए पाठक जी के नेतृत्व में वसई विरार शहर जिला के नागरिकों की समस्या का समाधान होगा। इस अवसर पर पत्रकार तथा प्रदेश आर टी आई प्रमुख श्री गणेश लाड जी तथा प्रदेश के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। अध्यक्ष श्री संकुल पाठक ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए डॉक्टर कृष्णा गुप्ता को कार्याध्यक्ष, अमित जी को जिला संपर्क प्रमुख तथा ओमप्रकाश जी को जिला सह संपर्क प्रमुख के रूप में नियुक्त किया।

आम आदमी को ठगना पड़ा भारी

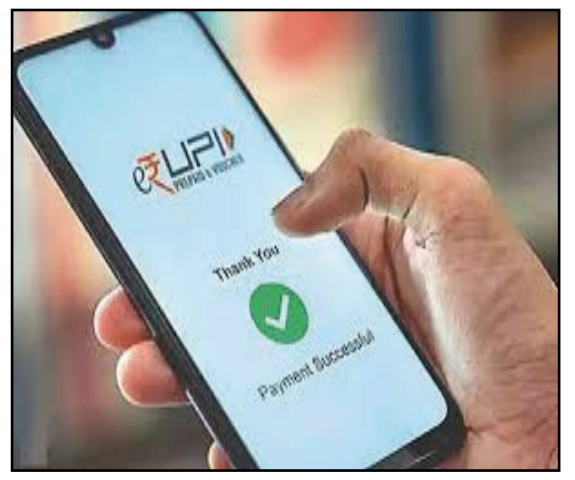

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

काम दिलाने के बहाने एक मजदूर से उसका मोबाइल और पेमेंट ऐप का पासवर्ड लेकर ठगी करने वाले शातिर अपराधी को विरार क्राइम ब्रांच यूनिट-३ ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने मजदूर का विश्वास जीतकर उसके मोबाइल से ऑनलाइन फंड ट्रांसफर कर गबन किया था। आरोपी पर अन्य थानों में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। नालासोपारा पूर्व निवासी जिबराइल इसराइल मंसूरी तुलिंज ओवरब्रिज के नीचे काम की तलाश में खड़ा था, तभी एक सूरज नामक व्यक्ति एक अन्य युवक के साथ वहां पहुंचा। उन्होंनेजिबराइल को काम दिलाने का झांसा दिया, फिर पीड़ित से फोन पे पर पैसे ट्रांसफर करवाने के बहाने उसका पासवर्ड पूछा और उसे विश्वास में लेकर एक फोन करके आता हूं, ऐसा बोलकर वहां से फरार हो गया। विरार क्राइम ब्रांच यूनिट-३ को वरिष्ठ अधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद टीम ने समानांतर जांच शुरू की और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी सूरज विजयबहादुर गुप्ता को गोरेगांव-पूर्व स्थित ओबेरॉय मॉल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई पुलिस ने कर्नाटक में ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी, 4 आरोपी अरेस्ट, 381.96 करोड़ MD बरामद

मुंबई पुलिस ने कर्नाटक के मैसूर में ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। पुलिस ने फैक्ट्री से करोड़ों रुपये की एमडी ड्रग बरामद करने के साथ चार लोगों को अरेस्ट किया है। मुंबई पुलिस के एक्शन के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री ने भी जांच के आदेश दिए हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई/मैसूरः महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस ने कर्नाटक के मैसूर में एक ड्रग फैक्ट्री को पकड़ा है। पुलिस ने ड्रग्स निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ करने के साथ 4 आरोपियों को अरेस्ट किया है। पुलिस को मौके से 187.97 किलोग्राम एमडी ड्रग मिला है। जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कुल कीमत 381.96 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। तो वहीं दूसरी मैसूर में ड्रग फैक्ट्री के भंडाफोड़ पर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कड़ी जांच के आदेश दिए हैं। जिस इलाके में यह फैक्ट्री पकड़ी गई है। वहां के पुलिस इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गय है।

मुंबई पुलिस को बड़ी सफलता

मुंबई पुलिस ने वसई से पकड़े गए एक ड्रग्स सप्लायर की सूचना पर कर्नाटक के मैसूरु में बनाए जा रहे एक ड्रग्स कारखाने पर छापेमारी की। मुंबई पुलिस का ऑपरेशन पूरी तरह से सफल रहा। मुंबई पुलिस ने यह कार्रवाई लोकल पुलिस को साथ लेकर करके की। मुंबई पुलिस को अंदेशा था कि इसी फैक्ट्री से ड्रग्स की सप्लाई की जा रही है। शनिवार को मैसूर के बाहरी इलाके में करोड़ों रुपये मूल्य की एमडीएमए (एक्स्टसी) बनाने वाली एक बड़ी नशीली दवा निर्माण इकाई पर छापा मारा गया, जिसके बाद चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई महाराष्ट्र पुलिस ने मैसूर शहर पुलिस के साथ मिलकर की और बेलवट्टा इलाके में रिंग रोड के पास की गई छापेमारी में भारी मात्रा में अवैध पदार्थ बरामद किया गया।

साकीनाका थाने में दर्ज की रिपोर्ट

मैसूर ड्रग फैक्ट्री से गिरफ्तार किए गए लोगों को मुंबई लाया गया है। मुंबई के साकीनाका पुलिस स्टेशन में पहले ही एक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। तो वही दूसरी मैसूर शहर की पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर ने नरसिंहराजा पुलिस स्टेशन के निरीक्षक लक्ष्मीकांत तलवार को विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबित करने का आदेश दिया। यह निलंबन बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं के निर्माण के धंधे का भंडाफोड़ होने के बाद गया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया बांद्रा स्टेशन महोत्सव

स्टेशन महोत्सव में भव्य बांद्रा स्टेशन की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक पहचान का जश्न मनाया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, बांद्रा स्टेशन की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा एक जीवंत कार्यक्रम ₹बांद्रा स्टेशन महोत्सव₹ मनाया गया। 26 जुलाई, 2025 को आयोजित इस भव्य समारोह की शुरूआत पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह, मुंबई क्षेत्र की डाक सेवा की निदेशक श्रीमती कैया अरोड़ा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एक विशेष स्मारक कवर के अनावरण के साथ हुई। विशेष कवर का अनावरण एक मार्मिक क्षण था, जो इस प्रतिष्ठित स्टेशन की ऐतिहासिक विरासत के प्रति एक सच?चा सम?मान था। बांद्रा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी शानदार प्रदर्शन हुआ, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य प्रदर्शन और ऊजार्वान करा ओके प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिन्होंने उत्सवी माहौल को और भी समृद्ध बना दिया। इस दिन का मुख्य आकर्षण ₹आर्ट एंड क्राफ्ट₹ और ₹व्लॉग मेकिंग₹ प्रतियोगिताओं के लिए बेसब्री से प्रतीक्षित पुरस्कार वितरण समारोह था। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को उनके कलात्मक और नवोन्मेषी कौशल के साथ-साथ आकर्षक कहानी कहने की कला के लिए सम्मानित किया गया। इन रचनात्मक कृतियों ने बांद्रा स्टेशन की भावना और उसके जीवंत उत्साह को खूबसूरती से दर्शाया। बांद्रा स्टेशन महोत्सव ने विरासत के उत्सव को सामुदायिक भागीदारी के साथ मिश्रित किया, जिससे इस अवसर की स्थायी यादें बनीं, जो पुरानी यादों, रचनात्मकता और सौहार्द से भरी थीं। जून 2025 में शुरू हुआ यह महोत्सव एक लुभावने समापन के साथ संपन्न हुआ, जब सैकड़ों हीलियम गुब्बारे आकाश में उड़े, जिसने उत्सव की खुशी की भावना को पूरी तरह से दशार्या। बांद्रा रेलवे स्टेशन मुंबई के बेहतरीन उपनगरीय रेलवे स्टेशनों में से एक है। अपनी विशिष्ट वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध, यह लाखों दैनिक यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसे महाराष्ट्र सरकार के 1995 के विरासत नियमों में ग्रेड क विरासत संरचना के रूप में अधिसूचित किया गया है। एक सदी से भी अधिक पुराना रेलवे स्टेशन, यह विक्टोरियन गोथिक और स्थानीय शैली का एक उत्कृष्ट वास्तुशिल्प मिश्रण है, जो अपने स्थल पर एक प्रमुख लैंडमार्क के रूप में उभर कर आता है। बांद्रा स्टेशन 28 नवंबर, 1864 को खोला गया था। हालाँकि, शानदार विरासत बांद्रा स्टेशन भवन 24 साल बाद 1888 में बनाया गया था।

सोलापूर विभागाच्या लातूर रेल्वे स्थानकावर व्यापक आरोग्य तपासणी शिबिराला उदंड प्रतिसाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल्वेच्या सोलापूर विभागाने सोलापूर विभागाच्या समर्पित वैद्यकीय पथकाच्या गतिमान नेतृत्वाखाली २५ जुलै २०२५ रोजी लातूर रेल्वे स्थानकावर व्यापक बहु-विशेष आरोग्य तपासणी शिबिराचे यशस्वीरित्या आयोजन केले होते. या कल्याणकारी उपक्रमाचे उद्दिष्ट सेवारत आणि निवृत्त रेल्वे कर्मचारी आणि त्यांच्या कुटुंबियांमध्ये प्रतिबंधात्मक आरोग्यसेवेला प्रोत्साहन देणे, आरोग्य जागरूकता वाढवणे आणि सामान्य आणि जुनाट आजारांचे लवकर निदान सुनिश्चित करणे हे होते.

दिवसभर चालणाया शिबिरादरम्यान डॉक्टरांच्या बहु-विषय पथकाने तज्ञांचा सल्ला आणि तपासणी सेवा प्रदान केली. शिबिरादरम्यान एकूण १५७ रेल्वे लाभार्थ्यांनी सेवांचा लाभ घेतला ज्यामध्ये हे समाविष्ट होते:

- बॉडी मास इंडेक्स (इटक) मोजमाप
- रक्तदाब निरीक्षण
- एउऋ (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम)
- रक्तातील साखर आणि दृष्टी तपासणी
- विविध तपासण्यांसाठी रक्ताचे नमुने संकलन
- गर्भाशयाच्या ग्रीवेच्या कर्करोग तपासणीसाठी पॅप स्मीअर संकलन
- आवश्यक औषधांचे मोफत वितरण
- विवेकानंद रुग्णालय, लातूर येथील मोबाईल ऑप्थॅल्मिक युनिटद्वारे दृष्टी चाचणीची सुविधा

सोलापूरचे मुख्य वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. जी.एस. मंजुनाथ यांच्या मार्गदर्शनाखाली आणि लातूरचे विभागीय वैद्यकीय अधिकारी डॉ. सूर्या यांच्या प्रत्यक्ष समन्वयाने काटेकोर नियोजन आणि अंमलबजावणीमुळे शिबिराचे यश शक्य झाले. नेत्रतज्ज्ञ डॉ. देवीलाल, अस्थिरोगतज्ज्ञ डॉ. रतन, सहाय्यक विभागीय वैद्यकीय अधिकारी डॉ. सबाहानी आणि विवेकानंद रुग्णालय, लातूर येथील भेट देणाया तज्ज्ञांनी यावेळी योगदान दिले, ज्यामध्ये स्त्रीरोगतज्ज्ञ डॉ. अमृता पाटील, वैद्यकीय अधिकारी डॉ. अभय आणि डॉ. मिथिला यांचा समावेश होता. त्यांनी आरोग्य तपासणी केली आणि सल्लामसलत केली. त्यांना मुख्य नर्सिंग पर्यवेक्षक श्रीमती स्नेहलता ओकाली, श्री बिबिन आणि श्री शरत; फार्मासिस्ट श्री राजू, आरोग्य परिचारिका श्री मोहसिन, श्री वीरपाल, श्री महेश आणि श्रीमती कल्पना आणि हाऊस कीपिंग असिस्टंट श्री अजित यांनी मदत केली. या उपक्रमाला लाभार्थ्यांकडून सकारात्मक प्रतिसाद मिळाला. अशा उपक्रमांमुळे सोलापूर विभागाची कर्मचारी कल्याणासाठीची APT वचनबद्धता अधोरेखित होते आणि रेल्वे वैद्यकीय विभागाची कर्मचारी आणि त्यांच्या कुटुंबांचे आरोग्य सुधारण्यासाठीची समर्पण प्रतिबिंबित होते.

थप्पड़ मारा, स्टील को बोतल फेंकी और... मुंबई में नहीं थम रही राज ठाकरे की गुंडागर्दी; अब कोचिंग सेंटर हेड पर हमला

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस के कार्यकर्ताओं ने कल्याण में एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख पर हमला किया। वायरल वीडियो में गुंडे फीस लेने के बाद क्लास न लेने का आरोप लगाते हुए मारपीट करते दिख रहे हैं। पहले थप्पड़ मारा गया फिर स्टील की बोतल और लकड़ी की पट्टिका फेंकी गई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में राजनीतिक गुंडागर्दी थमने का नाम नहीं ले रही है। राज ठाकरे की एमएनएस के गुंडे आए दिन हंगामा करते नजर आ जाते हैं। ताजा घटनाक्रम में एमएनएस के गुंडों ने मुंबई के पास एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख पर हमला कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ढाई मिनट के वीडियो में एमएनएस के तीन कार्यकर्ता सिद्धार्थ सिंह चंदेल (कोचिंग सेंटर के हेड) के सामने बैठे नजर आते हैं। सिद्धार्थ का कोचिंग सेंटर कल्याण में है। गुंडों ने आरोप लगाया कि चंदेल फीस तो मोटी लेते हैं लेकिन क्लास नहीं लेते। वीडियो में चंदेल मोबाइल फोन पर बात करते दिखाई देते हैं और वो गुंडों को शांत कराने की कोशिश भी करते हैं।

और जब बिगड़ जाता है मामला

लेकिन ये मामला उस वक्त बिगड़ जाता है जब एक गुंडा उन्हें थप्पड़ मार देता है और फिर दूसरा उन पर स्टील की बोतल फेंक देता है। हैरान चंदेल फिर से उन्हें शांत कराने की कोशिश करते हैं तो इतने में तीसरा गुंडा उनके ऊपर लकड़ी की पट्टिका फेंक देता है। वीडियो में कमरे के अंदर कुछ लड़कियां भी बैठी दिखाई देती हैं, जिनमें से एक अपने मोबाइल से वीडियो बना रही है।

चंदेल को चारों ओर से गुंडों ने घेरा

इस समय तक एमएनएस के गुंडे धमकी भरे अंदाज में चंदेल की टेबल के चारों ओर पहुंच जाते हैं। इनमें से एक गुंडा चंदेल को धमकाते हुए भी दिखाई देता है। ऐसा पहली बार नहीं है जब राज ठाकरे के गुंडों ने इस तरह की कोई हरकत की है। इससे पहले मराठी भाषा को लेकर कई लोगों को मारा पीटा गया। मुंबई के मीरा रोड में एक दुकानदार और विक्रोली में एक अन्य दुकानदार के साथ मारपीट की गई। इन घटनाओं पर न तो राज ठाकरे और न उनकी पार्टी की तरफ से माफी मांगी गई। बल्कि राज ठाकरे ने इन हमलावरों का बचाव करते हुए उनकी तारीफ की है। और उनकी पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर राज ठाकरे की आलोचना की गई तो और अधिक हमले और हिंसा होगी।

मराठी परिवार होना मेरी सबसे बड़ी भूल...', मंत्री पद न मिलने पर एनसीपी नेता ने क्यों कहा ऐसा; अजित पवार पर कसा तंज

एनसीपी नेता प्रकाश सोलंके ने मराठा होने के कारण मंत्री पद से वंचित रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीड में मराठा समुदाय एनसीपी को मजबूत करता है लेकिन मंत्री पद ओबीसी को मिलता है। सोलंके ने अजित पवार और धनंजय मुंडे पर भी निशाना साधा। उन्होंने पार्टी की विचारधारा को मराठाओं के प्रति भेदभाव का कारण बताया।

- मंत्री पद न मिलने पर NCP विधायक प्रकाश सोलंके का छलका दर्द।
- ओबीसी समुदाय से होता तो अब तक मंत्री बन गया होता: प्रकाश
- मराठी परिवार से होना मेरी सबसे बड़ी गलती है: प्रकाश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र में मराठा अधिकार की आवाज अब सत्तापक्ष के खेमे में भी दस्तक देने लगी है। एनसीपी नेता प्रकाश सोलंके ने इसे लेकर अपनी की सरकार पर हमला बोल दिया है। उनका कहना है कि उन्हें अभी तक मंत्री पद नहीं मिला, जिसकी सबसे बड़ी वजह उनका मराठी होना है।प्रकाश सोलंके चार बार मालेगांव से विधायक रह चुके हैं। रविवार को बीड में मीडिया से बात करते हुए प्रकाश ने कहा कि बीड में मराठा ही एनसीपी को मजबूत बनाते हैं। हालांकि जब मंत्री पद या गार्जियन मंत्री बनाने की बात आती है तो पार्टी मराठाओं को ही नजरअंदाज कर देती है। प्रकाश सोलंके ने पार्टी नेता अजित पवार और पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे पर भी तंज कसा है। उन्होंने कहा धनंजय मुंडे की जांच पूरी होने के बाद अगर उन्हें क्लीन चिट मिली, तो उन्हें फिर से मंत्री बना दिया जाएगा।

उन्होंने कहा- एनसीपी के सभी नेता चाहे वो शरद पवार हों या अजित पवार, सब सिर्फ ओबीसी समुदाय के लोगों को ही तवज्जो देते हैं। बीड में मराठा समुदाय एनसीपी का बड़ा समर्थन रहा है। मगर मंत्रीपद हमेशा ओबीसी या पिछले समुदाय के लोगों को मिलता है।प्रकाश सोलंके ने इसके लिए पार्टी की विचारधारा को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है ज्योतिबा फुले, राजश्री साहू महाराज और बीआर अंबेडकर की विचारधार पर चलने के कारण पार्टी ओबीसी और पिछले वर्गों को ज्यादा अहमियत देती है।मराठी होना गलतीः प्रकाश सोलंकेप्रकाश सोलंके के अनुसार, कैबिनेट बनते समय मंत्री पद के लिए कई नाम सामने आते हैं। मगर मंत्री वही बनता है, जिसका नाम पार्टी नेतृत्व के द्वारा आगे रखा जाता है। प्रकाश सोलंके ने कहा-मेरे और मंत्री पद के बीच में मेरी जाति आ जाती है। अगर मैंने ओबीसी परिवार में जन्म लिया होता, तो आज मुझे मंत्री बनने का मौका मिल चुका होता। मगर, मैं मराठा समुदाय से ताल्लुक रखता हूं।

मुझे लगता है यही मेरी सबसे बड़ी गलती है।महाराष्ट्र में गमार्या मुद्दाबता दें कि महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण और मराठी भाषा को लेकर पहले से संग्राम छिड़ा हुआ है। खासकर सियासी गलियारों में विपक्षी पार्टियां मराठा वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए यह मुद्दा जोर-शोर से उठा रही हैं। ऐसे में सत्ताधारी विधायक प्रकाश सोलंके के बयान विपक्ष के मुद्दों को हवा दे सकता है।

रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 यात्रियों के लिए एक समर्पित सेवा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर। भारतीय रेलवे देश की जीवन रेखा है, जो प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनकी मंज़िल तक पहुँचाने का कार्य करती है। न केवल यात्रा की सुविधा, बल्कि यात्रा के दौरान यात्रियों की आवश्यकताओं, सुझावों और समस्याओं का शीघ्र समाधान भी रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु भारतीय रेलवे ने रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 की सुविधा उपलब्ध कराई है। यात्री यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा, सफाई, कैटरिंग, स्टेशन सुविधाएँ, समय-सारणी, टिकटिंग आदि से संबंधित शिकायतें/सुझाव 139 पर कॉल या रटर के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। हेल्पलाइन नंबर 139 का समन्वय फ्रंछटर्टी पोर्टल से किया गया है। हेल्पलाइन सेवा हिंदी, अंग्रेजी सहित कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को अपनी भाषा में सहायता प्राप्त करने में सुविधा होती है। यात्रा के दौरान चिकित्सा, ढठफ की जानकारी, ट्रेन की स्थिति, रिफंड संबंधी जानकारियाँ, ट्रेन रद्द/विलंब आदि जैसी सेवाओं की जानकारी भी 139 नंबर पर कॉल करके प्राप्त की जा सकती है। यह सेवा भारत के सभी मोबाइल नेटवर्कों पर उपलब्ध है, चाहे वह स्मार्टफोन हो या बेसिक मोबाइल फोन।फ्रंछटर्टी और हेल्पलाइन 139 के लाभ

त्वरित और प्रभावी शिकायत समाधान प्रणाली।

यात्रियों की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए पारदर्शिता और निगरानी।

यात्रियों के फीडबैक के आधार पर सेवाओं में सुधार।

डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप तकनीकी प्लेटफॉर्म का उपयोग।यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और शिकायत निवारण की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु RailMadad एवं 139 हेल्पलाइन की जानकारी का व्यापक प्रचार किया जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक रेल यात्रियों को RailMadad एवं 139 हेल्पलाइन की जानकारी मिल सके । इसी दिशा मे कार्य करते हुए विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिससे RailMadad एवं हेल्पलाइन नंबर 139 की पहुँच अधिक यात्रियों तक सुनिश्चित की जा सके। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए निरंतर प्रयासरत है और रेलवे हेल्पलाइन 139 इसी सेवा भावना का प्रमाण है। यात्रियों से अपील है कि किसी भी प्रकार की जानकारी, सहायता या शिकायत के लिए इस नंबर का उपयोग करें और एक सुगम एवं सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्राप्त करें।

पुणे के फ्लैट से ड्रग्स और लड़कियों संग गिरफ्तार, एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी के पति प्रांजल खेवलकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के पुणे शहर में ड्रग पार्टी में छापेमारी की गई। इस रेव पार्टी में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत ने 29 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति प्रांजल खेवलकर भी पार्टी से गिरफ्तार किए गए लोगों में हैं। पुणे पुलिस ने एक आलीशान फ्लैट में छापेमारी की। यहां पर रेव पार्टी चल रही थी। छापेमारी में नशीले पदार्थ, हुक्का और शराब जब्त की गई। एक अधिकारी ने बताया कि तड़के लगभग साढ़े तीन बजे पुलिस क्राइम ब्रांच ने छापेमारी की और स्टूडियो अपार्टमेंट में एक ड्रग पार्टी का भंडाफोड़ किया। आरोपियों की हिरासत का अनुरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि छापेमारी में कोकीन और गांजा जैसे मादक पदार्थ जब्त किए गए।

पश्चिम रेलवे

रेलनेट नेटवर्क का अपग्रेडेशन

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (सीओ), २री मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **ई-निविदा क्र. : डब्ल्यूआर-एमएमसीटी-एसएनटी-एसटीटीडी-09-2025 दि. 25.07.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य का नाम** : मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे में कार्यालयों, कॉलोनियों, यार्ड्स, कारशेड और वर्कशॉप्स में रेलनेट नेटवर्क का अपग्रेडेशन. **कार्य की लागत** : रु. 99664784.86, **बोली सुरक्षा** : रु. 6,48,300/-. **ई-निविदा दस्तावेज जमा करना बंद होने की तिथि एवं समय** : 19.08.2025 को 15.00 बजे तक. **ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय** : 19.08.2025 को 15.30 बजे. निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है. 0440

Like us on: facebook.com/WesternRly

दिवा क्षेत्र में अनधिकृत निर्माणों के 14 नल कनेक्शन काटे, 10 पंप जब्त, 11 बोरवेल बंद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , दिवा क्षेत्र में अनधिकृत निमार्णों के 14 नल कनेक्शन मनपा ने काट दिए हैं।ठाणे मनपा के जल आपूर्ति विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में 10 मोटर पंप जब्त किए गए और 11 बोरवेल बंद किए गए। ये सभी नल कनेक्शन अवैध रूप से लिए गए थे। इस संबंध में मनपा की ओर से मामला दर्ज कराने की भी कार्रवाई की जा रही है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने कहा है यदि अनधिकृत निमार्णों को जलापूर्ति प्रदान की गई है, तो उसके दस्तावेजों की जाँच की जानी चाहिए। साथ ही, यदि निर्माण अवैध है, तो पाइप कनेक्शन तुरंत काट दिया जाना चाहिए, और इसी प्रकार, यदि मनपा की जल आपूर्ति से अवैध रूप से पाइप कनेक्शन लिया गया है, तो उसे भी तुरंत काट दिया जाना चाहिए। उपनगरीय अभियंता (जल आपूर्ति विभाग) विनोद पवार ने बताया कि दिवा प्रभाग समिति क्षेत्र में 25 और 26 जुलाई को अनधिकृत निमार्णों के पाइप कनेक्शन काटने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया था। इस अभियान में, आंशिक रूप से निर्मित और कब्जे वाले अनधिकृत निमार्णों का निरीक्षण किया गया और वहाँ के पाइप कनेक्शन काट दिए गए। पवार ने बताया कि पंप भी जब्त किए गए और कुछ स्थानों पर बोरवेल भी बंद कर दिए गए।यह कार्रवाई दिवा प्रभाग समिति क्षेत्र के शील-महापे रोड, दातिवली रोड, शांति नगर, मुनीर कंपाउंड क्षेत्रों में की गई है।

गुरु अंबिका अखाड़े के गुरुपूजा महोत्सव में लगा गायक कलाकारों का जमावड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे, गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य पंडित अंबिका गुरु अखाड़े की तरफ गुरुपूजा महोत्सव भोजपुरी बिरहा बिहारी परिवार लोकगीत गायक कलाकारों की उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन शिवसेना के पूर्व नगरसेवक एकनाथ भोइर, व एड विनय सिंह ने दीप प्रज्वलन करके किया। इस कार्यक्रम में मुंबई, ठाणे व आस पास के उपनगरों से अनेक गायक कलाकारों ने अपने गीत प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर बीजेपी के नेता केपी शर्मा कवि, एजुकेशनल ट्रस्ट के कृष्णमुरारी राय, मध्य रेलवे आरपीएफ के उप निरीक्षक पवन सिंह, कार्यक्रम के आयोजक छोटेलाल यादव, कार्याध्यक्ष अमर बहादुर मौर्य, अडोकेट जगदम्बा शुक्ला, शुभम पाण्डेय, सलाहकार दिनेश शुक्ला, कैलाश चन्द्र शुक्ला, माखनलाल विश्वकर्मा सहित अन्य साथी कलाकार उपस्थित रहे। भोजपुरी बिरहा उत्तर प्रदेश पूर्वांचल की मिट्टी से निकली हुई लोकगीत है। यह उत्तर प्रदेश, बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में गाई जाने वाली पारंपरिक भोजपुरी लोकगीत है। इस गीत के माध्यम सामाजिक, धार्मिक, इतिहास, तत्कालिक घटनाओं पर आधारित गीत को लिखकर गाकर बिरहा सुनने व समझने वालो तक पहुचाई जाती है। इसमें हास्य, व्यंग भी सुनने को मिलता है। बिरहा के जनक स्व.बिहारी लाल यादव को गुरु बिहारी के नाम से जाना जाता है। बिहारी गुरु बनारस के शिवानन्द महाराज के सानिध्य में बिरहा लोकगीत को सिखकर गायक कलाकार बने। बिहारी के कई शिष्य हुए जो बिरहा परम्परा को आगे बढाते चले आ रहे है।बिहारी के शिष्यों में गुरु पत्तू, गुरु गणेश, गुरु रम्मन के अलावा भी कई शिष्य हुए हैजो अलग अलग अखाड़ो के नाम से जाने जाते है।

इस आशय की जानकारी अंबिका गुरु के पौत्र हनुमान कविने दी। अंबिका गुरु अखाड़े में हलधर कवि, बाबू सरनाथ सिंह, हरिलाल यादव, रमाशंकर यादव, लालजी यादव, हनुमान तिवारी, इंद्रदेव यादव, शिवजगत यादव, पीडी सहित तमाम कवि एवं गायक हुए हैं। इसी अखाड़े के नामी गायक कलाकार उदयराज यादव हुए थे। जिन्होंने बिरहा जगत के दिग्गज गायक कलाकारों के साथ मंच साझा किया था। बिरहा बिहारी परिवार बनारस के नामी बिरहा कलाकर पदम भूषण हिरालाल यादव, बुल्लू यादव, पारस यादव, राम अवध यादव, रामदेव यादव, शिवमूरत यादव, पंडित परशुराम यादव ने बिरहा लोकगीत में अपनी छाप छोड़ गए है। वर्तमान गायक बिरहा सम्राट विजय लाल यादव, दुर्जन यादव, विश्वनाथ यादव, दीपक सिंह, सियाराम यादव, ओमप्रकाश सिंह यादव बक्सर बिहार सहित तमाम बड़े छोटे कलाकार अपनी गायकी से लोगों का मनोरंजन कर रहे है। वर्ष में एक बार बिरहा कलाकार गुरुपूर्णिमा के अवसर गुरुपूजा मनाते है। जिसमें सभी छोटे बड़े कलाकार इक्कठा होते है। इसी के तहत गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य ठाणे शहर के सावरकर नगर टीएमसी स्कूल हॉल में गुरु अंबिका अखाड़े की तरफ से गुरुपूजा महोत्सव मनाया गया। जिसमें कवि जितेंद्र यादव, कवि प्रह्लाद कश्यप, कवि दिनेश शुक्ला, कवि रघुबर पटेल, कवि राजेंद्र विश्वकर्मा, कवि संजय यादव, कवि बलिराम यादव, कवि विमलेश यादव ,चंद्रशेखर कवि उपस्थित रहे। गायक कलाकार इंद्रजीत यादव, लल्ला यादव, प्रेमचंद्र प्रजापति, सदानंद दीवाना, रामू यादव, बालचंद ग्वाला, अनिल कनौजिया, नंदलाल (उर्फ)नन्दू जौनपुरी, गायिका रेखा निषाद, गुड़िया उपध्याय, अनिता राजभर, इंदु वेनवंशी, ममता यादव सहित तमाम कलाकारों की उपस्थिति रही है।

फास्ट ट्रैक

धर्मांतरण मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जिला अध्यक्ष की शिकायत पर कार्यवाही, महिला आरोपियों की तलाश

शाहजहांपुर, जनपद की निगोही पुलिस ने धर्मांतरण मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष द्वारा दर्ज कराया गया था। पुलिस अभी महिला आरोपियों की तलाश कर रही है। निगोही थाना क्षेत्र के गांव चैना रूरिया में एक मकान के अंदर ईसाई धर्मांतरण की गतिविधि की सूचना मिली थी। इस पर हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह दर्जनों कार्यकताओं के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी और दो महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। राघवेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपनी टीम के लगभग 70 लोगों और गांववासियों के साथ जब घर के अंदर पहुंचे। तो वहां मौजूद महिलाओं ने उनके साथ गए लोगों पर डंडों से हमला किया। साथ ही उन्हें एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराने की धमकी भी दी गई। जिला अध्यक्ष के अनुसार, महिलाओं ने कहा कि धर्मांतरण के लिए दो से तीन लाख रुपए मिलते हैं और पुलिस से भी उनकी सेटिंग है। पुलिस ने राघवेंद्र सिंह की शिकायत पर दो महिलाओं - लौंगश्री (पत्नी महेश, निवासी ग्राम नवलपुर) और चिंता लाडली (पत्नी शिवसरन, चैना) तथा दो पुरुषों - हेमराज (पुत्र बाबूराम, निवासी चैना रूरिया) और ओमपाल (पुत्र बहादुर लाल, निवासी ग्राम अल्हादापुर) के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। निगोही पुलिस ने बताया कि हेमराज और ओमपाल को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हिंदू युवा वाहिनी की टीम ने इससे पहले सिधौली ब्लॉक क्षेत्र में भी इसी प्रकार के ईसाई धर्मांतरण का भंडाफोड़ किया था।

स्वच्छ अपनाओ, बीमारी भगाओ' के अंतर्गत 'स्वच्छ घर, स्वच्छ झोपड़पट्टी' एवं जन जागरूकता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , 1 जुलाई से शुरू 'स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के अंतर्गत मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में प्रतिदिन स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसमें जनभागीदारी पर जोर दिया जा रहा है और गाँवों व मलिन बस्तियों के साथ-साथ सेक्टरों में भी स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा की जा रही है। इस संबंध में, अपर आयुक्त सुनील पवार के नेतृत्व में, साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गाडे एवं श्रीमती स्मिता काले व जोन 1 के उपायुक्त सोमनाथ पोटरे एवं जोन 2 के उपायुक्त संजय शिंदे के अनुसार, सभी आठ विभागों के सहायक आयुक्तों और स्वच्छता अधिकारियों के माध्यम से स्लम क्षेत्र में 'स्वच्छ घर, स्वच्छ बस्ती' अभियान चलाया गया। घर से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करने के महत्व पर जोर दिया गया। साथ ही, नागरिकों से भी अपील की गई कि वे इस बात का ध्यान रखें कि यह अलग किया गया कचरा सार्वजनिक स्थानों पर न फेंककर मनपा के कचरा ट्रकों में ही डाला जाए। नेरुल विभाग के सहायक आयुक्त जयंत जावड़ेकर और स्वच्छता अधिकारी अरुण पाटिल के नियंत्रण में शिवाजीनगर झोपड़पट्टी में, तुर्भे विभाग के सहायक आयुक्त सागर मोरे और स्वच्छता अधिकारी जयेश पाटिल के नियंत्रण में हनुमान नगर झोपड़पट्टी में, घनसोली विभाग के सहायक आयुक्त उत्तम खरात और स्वच्छता अधिकारी विजय पडघन के नियंत्रण में काफरी बाबा नगर में, ऐरोली विभाग के सहायक आयुक्त सुनील कथोले और मुख्य स्वच्छता अधिकारी राजेंद्र इंगले के नियंत्रण में समतानगर ऐरोली नाका में, दीघा विभाग के सहायक आयुक्त नैनेश बदले और स्वच्छता अधिकारी प्रवीण थोरात के नियंत्रण में दुर्गानगर, गणेशनगर झोपड़पट्टी के साथ-साथ अन्य विभागीय कार्यालय क्षेत्रों में विभागीय कार्यालय अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वच्छता कार्यकर्ताओं की मदद से 'स्वच्छ घर, स्वच्छ झोपड़पट्टी' अभियान सफलतापूर्वक लागू किया गया। विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने भी इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सफाई अभियान के बाद स्वच्छता की शपथ ली गई तथा नियमित रूप से कचरा अलग करने तथा कचरे के उचित निपटान की आदत अपनाने की अपील की गई।

शिवसेना उत्तर भारतीय विभाग अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे के माध्यम से अंबरनाथ में निकली भव्य कलश यात्रा

सैकड़ों की संख्या में उत्तर भारतीय महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुई।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर शिवसेना उत्तर भारतीय विभाग अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे, महिला आघाड़ी नेता किरण चौबे के सौजन्य से रविवार 27 जुलाई को श्रावण मास के उपलक्ष में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में बुआ पाड़ा और लादीनाका में रहने वाली उत्तर भारतीय हिंदी भाषी समाज की महिलाओं ने भारी संख्या में उपस्थित रहकर पूर्ण श्रद्धा भाव से अपनी सहभागिता दर्ज की। कलश यात्रा में आए हुए सभी गणमान्यों ने भगवान शिव के चित्र और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए। यह भव्य कलश यात्रा कल्याण- बदलापुर रोड पर साइकिल कंपनी के सामने स्थित शिवसेना उत्तर भारतीय विभाग के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे के जनसंपर्क कार्यालय से प्रारंभ हुई। सैंकड़ों महिलाओं की उपस्थिति में यह कलश यात्रा साइकिल कंपनी से लादी नाका, कल्याण बदलापुर रोड के संगठन चौक से होते हुए उत्तर भारतीय संघ के समीप श्री विश्वेश्वर शिव मंदिर में कलश यात्रा पूर्ण धार्मिक विधि विधान से संपन्न हुई। इस धार्मिक कार्यक्रम में स्थानीय विधायक डॉ.बालाजी किणीकर, नपा के पूर्व अध्यक्ष सुनील चौधरी, नपा के पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल भाई शेख, जीपीएस ग्रुप के निदेशक जीडी मिश्रा, पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र यादव, वरिष्ठ उत्तर भारतीय नथुनी झा चिंता त्रिपाठी, संदीप मांजरेकर, विनोद जाधव, पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके, उमेश गुंजाल, हमीद सैय्यद के अतिरिक्त सैंकड़ों की संख्या में स्थानीय वार्ड की महिलाए उपस्थित थी। इस कलश यात्रा के कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेश यादव ने किया।

नहर में डूबने से वृद्ध की मौत

खेत पर चारा लेने गया, शव नहर में तैरता मिला, जांच में मृतक की पहचान

शाहजहांपुर, जनपद के मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव परशुरामपुर में नहर से एक वृद्ध का शव बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष जुगल किशोर पल अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव नहर में दिखाई दिया है। इस खबर के बाद स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। पुलिस को भीड़ को संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस की जांच में मृतक की पहचान ग्राम परशुरामपुर निवासी 68 वर्षीय बेचेलाल प्रजापति पुत्र मुलायम के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि बेचेलाल पशुओं के लिए चारा लेने के लिए घर से निकले थे। हालांकि वृद्ध के नहर में डूबने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। मीरानपुर कटरा पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

रथम श्रावणी सोमवार के अवसर पर अंबरनाथ के प्राचीन शिवमन्दिर में श्रद्धालुओं की लगी भारी भीड़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ के प्राचीन शिवमन्दिर में प्रथम श्रावणी सोमवार 28 जुलाई के दिन शिवभक्तों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। भक्तों की लाइन कैलाश कॉलोनी तक लगी हुई थी। इस प्राचीन शिवमन्दिर में श्रावणी सोमवार के दिन भक्त बड़ी दूर दूर से आते है। मंदिर के परंपरागत पुजारी पाटिल परिवार संपूर्ण पूजापाठ की व्यवस्था करते हैं। पाटिल परिवार मंदिर परिसर में श्रावण महीने में अनेकों धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सोमवार की सुबह से ही शिवमन्दिर परिसर में पवित्र शिवलिंग पर जल चढ़ाने और पूजा पाठ करने के लिए आने लगे थे और मंदिर का द्वार रात 10 बजे तक भक्तों के लिए खुला रहा ।श्रावणी सोमवार के दिन हजारों की संख्या में शिवभक्तों ने मंदिर में दर्शन दिए। महाराष्ट्र में श्रावण का महीना 25 जुलाई से प्रारंभ होकर 23 अगस्त तक चलेगा जबकि उत्तर भारत 11 जुलाई से प्रारंभ होकर 9 अगस्त को समाप्त होगा। महाराष्ट्र में उत्तर भारत की तुलना में श्रावण का महीना 2 सप्ताह आगे प्रारंभ होता है क्योंकि उत्तर भारत पूर्णिमांत कैलेंडर का पालन करता है जहां हिंदी महीना पूर्णिमा को समाप्त होता है तो वहीं महाराष्ट्र में अमांत कैलेंडर का पालन किया जाता है जहां यह महीना अमावस्या को समाप्त होता है इसलिए महाराष्ट्र में श्रावण का महीना 2 सप्ताह आगे प्रारंभ होता है। पुलिस प्रशासन और नगरपालिका प्रशासन ने इस अवसर पर सुरक्षा और प्रबंध के अच्छे इंतेजाम किए।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं के संरक्षण के लिए निजी प्रतिष्ठानों को पंजीकरण कराना होगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पोष अधिनियम) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु, पोष अधिनियम, 2013 की धारा 4(1) के अंतर्गत 10 या अधिक कर्मचारियों वाले सभी निजी प्रतिष्ठानों में एक आंतरिक समिति का गठन अनिवार्य है। साथ ही, SHE BOXपोर्टल पर इस आंतरिक समिति के पंजीकरण के संबंध में केंद्र सरकार के निर्देश भी हैं। इसके लिए, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नमिता शिंदे ने ठाणे जिले के सभी निजी प्रतिष्ठानों से SHE BOX पोर्टल पर पंजीकरण कराने की अपील की है। SHE BOX पोर्टल पर निजी प्रतिष्ठानों में आंतरिक समिति के पंजीकरण की प्रक्रिया इस प्रकार है। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नमिता शिंदे ने बताया कि रलए इड पोर्टल पर आंतरिक समिति का पंजीकरण करने के लिए, वेबसाइट https://shebox.wcd.gov.in की होम स्क्रीन पर दिए गए रनिजी मुख्यालय पंजीकरणर टैब पर क्लिक करें, सभी आवश्यक विवरण भरें और सबमिट टैब पर क्लिक करके आंतरिक समिति की जानकारी दर्ज करें।

ड्राइवर ने यात्री को खिलाया नशीला पदार्थ

केदारनाथ यात्रा पर गए युवकों से लूट, कार और सामान लेकर फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जलालाबाद से पांच युवक अपनी निजी कार से केदारनाथ यात्रा पर गए थे। इस दौरान उनके ड्राइवर ने उन्हें धोखा दे दिया। अंबेडकर नगर निवासी मुन्नी देवी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनके अनुसार उनका पुत्र अमन कुशवाहा अपने चार साथियों आकाश, शोभित, सुगन्धी और सचिन श्रीवास्तव के साथ अपनी ईको कार से हरिद्वार और केदारनाथ गया था। रास्ते में ड्राइवर दीपक ने मुरादाबाद से दो अज्ञात लोगों को कार में बिठा लिया। वापसी के समय केदारनाथ में ड्राइवर दीपक और उसके दोनों साथियों ने युवकों को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद ड्राइवर युवकों के सामान से भरे थैले लेकर फरार हो गया। थैलों में 10 से 15 हजार रुपए और कपड़े रखे थे। ड्राइवर कार के साथ फरार है और उसने अपना मोबाइल भी स्विच ऑफ कर लिया है। युवक किसी तरह बीती रात अपने घर पहुंचे। परिजनों ने ड्राइवर और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा विधायक के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर ठगी

मंदिर निर्माण के नाम पर क्यूआर कोड शेयर कर मांगे रुपये, विधायक ने किया सतर्क

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, ठगों ने एक नया तरीका अपनाकर सोशल मीडिया पर ठगी का प्रयास किया है। ददरौल विधानसभा से भाजपा विधायक अरविंद कुमार सिंह के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया गया है। इस फर्जी अकाउंट से मंदिर निर्माण के लिए पैसे की मांग की जा रही है। ठगों ने एक पोस्ट में लिखा, हम हनुमान जी का मंदिर बनाने जा रहे हैं। आप सभी लोग इसमें कुछ रुपये दे दीजिए। सभी एक माता जी के स्थान पर मंदिर बनाने जा रहे हैं। पोस्ट के साथ पैसे भेजने के लिए क्यूआर कोड भी शेयर किया गया है। जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, विधायक और उनके करीबियों के पास फोन आने शुरू हो गए। इसके बाद विधायक ने अपनी असली फेसबुक आईडी से एक पोस्ट जारी की। उन्होंने लिखा, मेरे नाम से किसी ने फर्जी फेसबुक आइडी बना ली है और मंदिर निर्माण के नाम पर पैसे की मांग कर रहा है। आप सभी से आग्रह है कि बहकावे में आकर क्यूआर कोड पर कोई पैसा न भेजें। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विधायक की तरफ से पुलिस में कोई लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है या नहीं। विधायक अरविंद सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

बिजली की लो वोल्टेज से परेशान किसानों का धरना

पुवायां में भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर , पुवायां क्षेत्र में लगातार बिजली की लो वोल्टेज की समस्या से परेशान किसानों ने सोमवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया। दोपहर में यूनियन के सैकड़ों कार्यकर्ता जुलूस के रूप में तहसील परिसर पहुंचे। उन्होंने उपजिलाधिकारी चित्रा निर्वाल को ज्ञापन सौंपा। यूनियन कार्यकताओं ने बताया कि रामपुर फीडर से जुड़े क्षेत्रों में लंबे समय से लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। इससे धान की फसल की सिंचाई में भारी दिक्कतें आ रही हैं। किसानों का कहना है कि इस मुद्दे पर पहले भी कई बार प्रदर्शन किए जा चुके हैं। लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। ज्ञापन सौंपते समय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने एक्सईएन रमेश चंद्र भारती को मौके पर बुलाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूरन बड़ा आंदोलन करेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और विद्युत विभाग की होगी। धरने में यूनियन के कई प्रमुख पदाधिकारी और क्षेत्रीय किसान बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रंगदारी न देने पर दबंगों ने रची अपहरण की साजिश

- शाहजहांपुर में बस के मालिक ने दर्ज कराई एफआईआर, जताया जान का खतरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, गोल्डी बस सर्विस के मालिक वीरेंद्र पाल सिंह गोल्डी से दबंगों द्वारा रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पीड़ित का आरोप है कि तस्लीम उर्फ भईयू, नईम कालिया समेत तीन नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके मैनेजर सन्नी कपूर को आफिस के अंदर धमकाया था। इन लोगों ने रंगदारी की मांग की थी। शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। शनिवार की रात आरोपियों ने एक नया षड्यंत्र रचा। उन्होंने अपने ही दो साथियों का डायल 112 पुलिस के सामने फर्जी अपहरण कराया। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि जिनका अपहरण किया गया था, उनके हाथों में तमंचे थमाए गए थे। उन्हें पीड़ित का नाम लेने के लिए कहा जा रहा था। पीड़ित का कहना है कि ये दबंग बाहर से आने वाली प्राइवेट बसों में सवारियां बैठाकर अवैध वसूली करते हैं। अब वे गोल्डी से भी 40 हजार रुपए महीना देने की मांग कर रहे हैं। वीरेंद्र पाल सिंह गोल्डी का रोडवेज बस अड्डे के पास गोल्डी बस सर्विस के नाम से कार्यालय है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दबंग चाहते हैं कि वे अपने बस के कारोबार में उन्हें शामिल करें या फिर हर महीने पैसे दें। पीड़ित ने जान का खतरा बताते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर उनके मैनेजर या उन्हें कुछ होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी इन दबंगों की होगी। चौक कोतवाली इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ युद्धविराम की घोषणा की

अमेरिका और चीन ने मध्यस्थता की; जंग में अब तक 30 से ज्यादा मौतें

एजेंसी

बैंकॉक, कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने थाईलैंड के साथ चल रहे सीमा विवाद में युद्धविराम की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए तत्काल लड़ाई रोकने की उम्मीद है। चीन और अमेरिका ने इस सीजफायर में मध्यस्थता की है। दोनों देशों के बीच मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर आज शांति वार्ता हुई। इस बैठक में थाईलैंड की तरफ से कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया की तरफ से प्रधानमंत्री हुन मानेट ने हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने की दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते बीते दिनों में भारी गोलीबारी हुई है। इसमें 33 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में ज्यादातर आम नागरिक शामिल हैं। मलेशिया इस समय दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान की अध्यक्षता कर रहा है। उसने दोनों देशों को बातचीत की मेज पर बुलाया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा था कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष को सुलझाना उनके लिए आसान काम है, क्योंकि उन्होंने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच का विवाद भी सुलझाया है। ट्रम्प ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात के दौरान कहा था कि उन्होंने थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं को चेतावनी दी है कि अगर युद्ध नहीं रुका, तो अमेरिका व्यापारिक समझौता नहीं करेगा। इससे पहले ट्रम्प ने शनिवार को भी दावा किया था कि थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं ने तुरंत सीजफायर वार्ता पर सहमति दे दी है। ट्रम्प ने कहा कि यह वॉर मुझे भारत-पाक संघर्ष की याद दिलाती है, जिसे हमने कामयाबी से रोका था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को स्कॉटलैंड यात्रा के दौरान सोशल मीडिया पर लिखा था कि तीन दिन से जारी सीमा विवाद के बीच उन्होंने दोनों देशों से सीधे बात की और साफ किया कि अगर संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका कोई व्यापार समझौता नहीं करेगा। इधर, थाई प्रधानमंत्री फुमथम ने ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए कहा था कि थाईलैंड सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए कंबोडिया का भी सीरियस होना जरूरी है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष अभी भी जारी है। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने की मांग की है।

इस मीटिंग में थाईलैंड ने कंबोडिया पर सीमावर्ती इलाके में बारूदी सुरंगें बिछने का आरोप लगाया। थाई राजदूत ने कहा कि कंबोडिया ने ही हमले शुरू किए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में बंद कमरे में एक आपात बैठक की। इसमें सभी 15 देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान निकालने की अपील की।

बांग्लादेश प्लेन क्रैश- यूनुस ने भारतीय डॉक्टरों को धन्यवाद दिया

3 देशों की टीम से मिले; कहा- आप सिर्फ स्किल नहीं दिल भी साथ लाए

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने रविवार को भारत, चीन और सिंगापुर के डॉक्टरों की टीमों से मुलाकात की। उन्होंने ढाका प्लेन क्रैश में घायल हुए लोगों की मदद के लिए डॉक्टरों का धन्यवाद दिया। यूनुस ने कहा कि ये टीमें सिर्फ अपनी स्किल्स नहीं, दिल भी साथ लेकर आई हैं। यह मुलाकात स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में हुई। यूनुस से मिलने वाले डेलीगेशन में 21 डॉक्टर और नर्स शामिल थीं। ये टीम ढाका में प्लेन क्रैश के पीड़ितों का इलाज कर रही हैं। इनमें ज्यादातर स्कूली बच्चे हैं। राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया। हादसे में विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम मारे गए। एफ-7बीजीआई बांग्लादेश एयरफोर्स (बीएएफ) का मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह चीन के चेंगदू जे-7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के एमआईजी-21 की तर्ज पर बनाया गया था। बीएएफ ने 2011 से 2013 के बीच यह फाइटर खरीदा था। इसे थंडरकैट स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था। यह फाइटर एयर डिफेंस, ग्राउंड अटैक और समुद्री इलाकों में हमले जैसी कई भूमिकाओं में काम आता है। इस फाइटर जेट में 2 तोपों के साथ 7 हथियार लगाने वाले पॉइंट हैं। इन पर 3 हजार किलोग्राम तक की मिसाइलें और बम लगाए जा सकते हैं। यह पीएल-5 और पीएल-9 मिसाइल, लेजर गाइडेड बम और सी-704 एंटी-शिप मिसाइल से लैस हो सकता है। सोमवार की जेट दुर्घटना 1984 के बाद बांग्लादेश में हुई सबसे घातक दुर्घटना थी। 1984 में, चटगांव से ढाका के लिए उड़ान भरने वाला एक यात्री जेट विमान तूफान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी 49 लोग मारे गए थे।

गाजा में भुखमरी पर पहली बार बोले ट्रम्प

कहा- तस्वीरें बहुत भयावह, इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा; नेतन्याहू बोले- कोई भुखमरी नहीं

एजेंसी

एडिनबरा/तेल अवीव, गाजा में जंग से फैली भुखमरी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहली बार बयान दिया है। स्कॉटलैंड के दौरे पर गए ट्रम्प ने गाजा से सामने आ रही भूख से जूझते बच्चों की तस्वीरें बेहद भयानक बताया हैं। उन्होंने कहा कि अब इजराइल को अब जंग पर फैसला लेना होगा। ट्रम्प ने हमास पर आम लोगों का खाना चुराने का आरोप भी लगाया। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने गाजा ह्यूमेनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) को 60 मिलियन डॉलर दिए, जबकि किसी और देश ने कुछ नहीं दिया। हालांकि हकीकत में अमेरिका ने 30 मिलियन डॉलर की ही मदद की है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में भुखमरी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गाजा में न तो कोई भुखमरी है और न ही हमारा ऐसा कोई मकसद है। उन्होंने एक ईसाई सम्मेलन में कहा कि अगर हम मदद नहीं करते तो आज गाजा में कोई नहीं बचता। इजराइल ने हमास के खिलाफ जंग के बाद रविवार को 6 महीने में पहली बार गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई है। इजराइली सेना आईडीएफ ने आटा, चीनी, दवाई और डिब्बाबंद खाना गाजा में हवाई मार्ग से पहुंचाया। यह कदम अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उठाया गया। वहीं, इजराइल ने गाजा के कुछ हिस्सों में सीजफायर और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के लिए सुरक्षित रास्ते बनाने का भी ऐलान किया ताकि वहां की जनता को मदद पहुंचाई जा सके। मार्च से मई तक इजराइल ने गाजा में बाहरी सहायता पर रोक लगा दी थी। अब इजराइल का कहना है कि वह यूएन की सहायता वितरण में रुकावट नहीं डाल रहा। गाजा में इजराइल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, जिनमें 16 बच्चे हैं। नेतन्याहू ने हमास पर अनाज की लूट का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमास लोगों को दिए जा रहे अनाज को लूटकर उसे खुद इस्तेमाल करता है और फिर इजराइल पर कमी के आरोप लगाता है। उन्होंने वठ और अन्य एजेंसियों को भी निशाने पर लिया। इजराइली सेना (आईडीएफ) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि इजराइल ही गाजा में भुखमरी रोकने की कोशिश कर रहा है। डेफ्रिन ने बताया कि हम सहायता के लिए सुरक्षित कॉरिडोर बना रहे हैं। हमास जानबूझकर इन्हें नष्ट करता है और झूठ फैलाता है। गाजा में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों ने बताया कि वहां 50 ग्राम के बिस्किट के पैकेट की कीमत 750 रुपए है। नकद पैसे निकालने के लिए 45% तक कमीशन देना पड़ता है। हालात इतने खराब हैं कि लोग नमक खाकर और पानी पीकर काम चला रहे हैं। एक पत्रकार ने बताया कि 21 महीने में मेरा वजन 30 किलो घट गया है। थकान बनी रहती है और चक्कर आते रहते हैं। दक्षिणी गाजा के नासिर अस्पताल में काम करने वाले एक हेल्थ अधिकारी का कहना है कि गाजा में सभी भुखमरी के संकट से जूझ रहे हैं। कुपोषण से मरने वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

उनका कहना है कि गाजा में जब युद्ध शुरू हुआ तो अस्पताल से सबसे ज्यादा संख्या हवाई हमलों में घायल होने वाले लोगों की होती थी, लेकिन अब उनकी जगह कुपोषण के शिकार बच्चों ने ले ली है।

थाईलैंड के बैंकॉक में बुजुर्ग ने लोगों पर फायरिंग की

6 की मौत, 3 घायल; हमलावर ने खुद को भी गोली मारी

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक फूड मार्केट में 61 वर्षीय शख्स ने अंधाधुंध फायरिंग कर कम से कम छह लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर ने खुद को भी गोली मार ली। फायरिंग में 3 लोग घायल भी हुए हैं। घटना सोमवार को बैंकॉक के मशहूर ऑर टॉ कॉर मार्केट में हुई। यह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। पुलिस के मुताबिक हमलावर की पहचान मिस्टर नोई के नाम से हुई है। वह मौके पर ही मृत पाया गया। बैंकॉक के बंग सू जिले के डिप्टी पुलिस चीफ वोरापत सुकथाई ने बताया कि फिलहाल इसे मास शूटिंग माना जा रहा है। हमलावर की मंशा की जांच हो रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस गोलीबारी का थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर चल रही झड़पों से कोई संबंध है।

ऑस्ट्रिया के ग्राज शहर में 10 जून को एक हाई स्कूल में फायरिंग की घटना हुई थी। इसमें 10 लोग मारे गए थे, जबकि 28 घायल हुए थे। ऑस्ट्रियाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सुबह करीब 10 बजे बोर्ग ड्रेयर्सचुटजेनगैस हाई स्कूल के अंदर गोलियों की आवाजें सुनी गईं। इसके तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

बिहार में वोटर लिस्ट ड्राफ्ट का होगा प्रकाशन

चुनाव आयोग को आधार और ईपीआईसी जोड़ने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली: बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई. सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के ड्राफ्ट के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार करते हुए, चुनाव आयोग से फिर कहा कि वह एसआईआर के दौरान मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र को स्वीकार्य दस्तावेजों में शामिल करने पर विचार करे.

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर एक बार फिर फैसला सुनाएगी. सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है. साथ ही, उसने आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखने के आधार पर भी सवाल उठाया. पीठ ने चुनाव आयोग से आधार और ईपीआईसी को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल करने को कहा. पीठ ने कहा, ₹कल आप न केवल आधार देखेंगे, बल्कि 11 में से 11 फर्जी भी हो सकते हैं. यह एक अलग मुद्दा है. लेकिन हम बड़े पैमाने पर बहिष्कार कर रहे हैं. इसे बड़े पैमाने पर शामिल किया जाना चाहिए. चुनाव आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि राशन कार्डों से संबंधित समस्याएं हैं और ईपीआईसी भी निर्णायक नहीं हो सकता. पीठ ने पूछा, ₹मान लीजिए कोई व्यक्ति आधार के साथ फॉर्म अपलोड करता है, तो आप उसे ड्राफ्ट में क्यों शामिल नहीं करेंगे ?₹ चुनाव आयोग के वकील ने जोर देकर कहा कि उनका मुवक्किल आधार स्वीकार कर रहा है, लेकिन एक सहायक दस्तावेज के साथ.

याचिकाकताओं के एक अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने पीठ से चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की अनुमति न देने का आग्रह किया. बताया कि अंतिम रूप देने की अंतिम तिथि 1 अगस्त है. न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि आपकी प्रार्थना बिल्कुल स्पष्ट है कि आप अंतरिम रोक की मांग नहीं कर रहे हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भले ही गणना प्रपत्र संबंधित दस्तावेजों के साथ अपलोड नहीं किए गए हों₹, भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) आपत्तियों के साथ नाम डाल देगा. शीर्ष अदालत ने याचिकाकताओं को आश्वासन दिया कि वह उनसे सहमत होते ही सब कुछ₹ कर सकता है. दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को मामले की अंतिम सुनवाई के लिए समय निर्धारित करेगी.

बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव में हुआ मंदिर बड़ा हादसा

भगदड़ से 2 की जान गई, 32 लोग घायल

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव मंदिर के बाहर सोमवार तड़के मची भगदड़ में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बिजली का तार टिन शेड पर गिर गया, जिससे कई लोगों को करंट लग गया।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव मंदिर के बाहर सोमवार तड़के मची भगदड़ में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बिजली का तार टिन शेड पर गिर गया, जिससे कई लोगों को करंट लग गया। सावन के तीसरे सोमवार को दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े थे। मृतकों में से एक की पहचान लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गाँव के 22 वर्षीय प्रशांत के रूप में हुई है। दूसरे व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। हादसे में कम से कम 32 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें से दो की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि लोनीकटरा थाना क्षेत्र के मुबारकपुरा गांव निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य 30 वर्षीय श्रद्धालु की त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर की ओर जाने वाले सीढ़ी मार्ग पर मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत के एक दिन बाद हुई है। पुलिस के अनुसार बिजली का करंट फैलने की अफवाह के कारण लोग दहशत में आ गए जिसके बाद भगदड़ मच गई। अधिकारियों ने बताया कि सीएचसी में कुल 10 घायलों को लाया गया, जिनमें से पांच को हालत गंभीर होने के कारण उच्च स्तरीय केंद्र रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हैदरगढ़ सीएचसी में 26 घायलों को भर्ती कराया गया जिनमें से एक को गंभीर स्थिति में किसी अन्य अस्पताल में रेफर किया गया है। हादसे के बाद मंदिर परिसर और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने की कोशिश की। इस मामले में जांच जारी है।

स्टालिन सरकार ने केंद्र से की शिक्षा योजना के तहत फंड जारी करने की मांग

पीएम मोदी को सौंपा ज्ञापन

अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार 2018 से समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे शैक्षिक परिणामों में लगातार सुधार हुआ है। हालाँकि, उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय धनराशि जारी करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूरी तरह से अपनाना एक पूर्व शर्त बना दिया है। उन्होंने दोहराया कि राज्य को एनईपी के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से त्रिभाषा नीति को लागू करने और स्कूली शिक्षा को 5+3+3+4 प्रारूप में पुनर्गठित करने, पर कानूनी और नीतिगत आपत्तियाँ हैं।

एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक याचिका सौंपी, जिसमें लंबित शिक्षा निधि में से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि तत्काल जारी करने और राज्य भर में लंबे समय से लंबित रेलवे परियोजनाओं के कार्यान्वयन का आग्रह किया गया। यह अपील राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारासु के माध्यम से प्रधानमंत्री की दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा के दौरान की गई, जहाँ उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राजेंद्र चोझान के सम्मान में एक स्मारक सिक्के का अनावरण किया। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार 2018 से समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे शैक्षिक परिणामों में लगातार सुधार हुआ है। हालाँकि, उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय धनराशि जारी करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूरी तरह से अपनाना एक पूर्व शर्त बना दिया है। उन्होंने दोहराया कि राज्य को एनईपी के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से त्रिभाषा नीति को लागू करने और स्कूली शिक्षा को 5+3+3+4 प्रारूप में पुनर्गठित करने, पर कानूनी और नीतिगत आपत्तियाँ हैं।

महाकाल की निकली सवारी, 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

उज्जैन में चंद्रमौलेश्वर, मनमहेश और शिव-तांडव स्वरूप में दर्शन; मंदसौर में पशुपतिनाथ ने जाना प्रजा का हाल

इससे पहले सवारी शुरू पर पूर्व मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद पालकी में विराजित भगवान को मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल ने सलामी दी। सवारी में घुड़सवार पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड के जवान, भजन मंडली, झांझ मंडली व पुलिस बैंड भी शामिल रहे।

एजेंसी

उज्जैन , श्रावण मास के तीसरे सोमवार को उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। विनायक चतुर्थी होने के कारण भगवान महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। उज्जैन के साथ प्रदेश के अन्य शहरों में भक्त बाबा भोलेनाथ का पूजन-अभिषेक करने पहुंचे। उज्जैन में शाम को महाकाल की तीसरी सवारी मंदिर से निकली। इसमें भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर पालकी में विराजित हुए, जबकि भगवान श्री मनमहेश को हाथी पर और श्री शिव-तांडव की प्रतिमा को गरूड़ रथ पर विराजित किया गया।

सवारी शिप्रा घाट पर पहुंची। यहां भगवान का पूजन किया गया। इसके बाद सवारी वापस मंदिर पहुंची। इससे पहले सवारी शुरू पर पूर्व मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद पालकी में विराजित भगवान को मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल ने सलामी दी। सवारी में घुड़सवार पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड के जवान, भजन मंडली, झांझ मंडली व पुलिस बैंड भी शामिल रहे। इधर, मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ शाही पालकी में सवार हुए। अकोदिया में 100 से अधिक महिलाओं ने अपने घर में बर्फ जमाकर छोटे-छोटे शिवलिंग बनाए। एक बड़ा शिवलिंग भी बर्फ से बनाया गया। बाबा अमरनाथ की तरह बर्फ के ज्योतिर्लिंग की पूजा की गई। बाबा ओंकार को मेवा प्रसादी का भोगवहीं, खंडवा में भगवान ओंकारेश्वर का नर्मदा जल से अभिषेक किया गया। विशेष श्रृंगार के बाद गुलाब के फूल, बिल्व पत्र चढ़ाए गए। मंगला आरती के दौरान बाबा ओंकार को मेवा प्रसादी का भोग लगाया। रायसेन में भोजेश्वर महादेव को 5 क्विंटल फूल, धतूरे, बिल्व पत्र और आम के पत्तों के साथ नागेश्वर स्वरूप में सजाया गया है। टीकमगढ़ के शिव धाम, कुंडेश्वर में सवा किलो भांग से शिव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। शाम को महाआरती की गई। सीहोर के कुबेरेश्वर महादेव के दर्शन के लिए लोग बारिश में भीगते पहुंचे।

संक्षेप

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर विशेष कार्यक्रम

सुल्तानपुर के गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं ने सुना कीर्तन, जमकर छका लंगर

सुलतानपुर, शहर के पंजाबी कालोनी स्थित गुरुद्वारे में गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु एकत्रित हुए। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसे सुनकर भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। गुरुद्वारा सुल्तानपुर के महासचिव सुदीप पाल सिंह ने बताया कि यह विशेष कीर्तन सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान में आयोजित किया गया। गुरु तेग बहादुर जी को 'हिंद की चादर' कहा जाता है। उन्होंने देश के धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। उनकी 350वीं शहीदी दिवस 25 नवंबर को है। इसी उपलक्ष्य में सुल्तानपुर की सिख संगत द्वारा यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा साहब के ज्ञानी नवजोत सिंह के जत्थे ने कीर्तन का गायन किया। इसके बाद अनमोल जी के जत्थे ने कुबार्नी का गायन किया। कार्यक्रम के समापन के बाद लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

प्रेमिका के पिता ने प्रेमी के दोस्त को मार डाला

सुल्तानपुर में चाकू से गोदा; आधी रात लड़की से मिलने पहुंचे थे

सुल्तानपुर, 16 साल के लड़के की हत्या कर दी गई। वह अपने दोस्त के साथ उसकी प्रेमिका के घर गया था। जहां लड़की के पिता ने चाकू से हमला कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में लिया है। हमले में दो लड़के घायल हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पूरा मामला सुल्तानपुर के कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के पलिया गोलपुर गांव का है। कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के पलिया गोलपुर गांव निवासी कुणाल का पड़ोस के गांव की लड़की से एक साल से अफेयर है। दोनों के घर करीब डेढ़ किमी की दूरी पर हैं। कुणाल के पिता चाय का होटल चलाते हैं। रविवार रात कुणाल अपने दो दोस्तों संजय निषाद और बाबू के साथ बाइक से प्रेमिका से मिलने गया था। लेकिन इसकी भनक लड़की के पिता को लग गई। उसने चाकू से कुणाल पर हमला कर दिया।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर दिया मांगपत्र

पार्क और बिजली आपूर्ति समेत कई मुद्दे, विजिलेंस की मनमानी का विरोध

सुलतानपुर, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने जिले के व्यापारियों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के नाम एक मांगपत्र सोमवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ल को सौंपा। इस मांगपत्र में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त समस्याओं और व्यापारिक बाधाओं का विवरण दिया गया है। मांगपत्र में औद्योगिक विकास के लिए प्रस्तावित निजी औद्योगिक पार्क की न्यूनतम भूमि सीमा को 10 एकड़ से घटाकर 5 एकड़ करने का अनुरोध किया गया है।

तीन बच्चों के पिता का फंदे पर लटका मिला शव

पति पत्नी में हुआ था विवाद, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, पूरामुफ्ती थाना इलाके में एक युवक का शव उसके कमरे में लटका मिला है। मृतक की पहचान उदय सिंह पटेल उर्फ नेता (30) के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों का पिता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिवार ने उदय का शव कमरे में छत के चुल्ले से लटका देखा। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए। मृतक के परिजनों के अनुसार, उदय गांव में खेती-किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। उदय गांव के लोगों के छोटे-मोटे

कामों में मदद किया करता था। इसी कारण गांव के लोग उसे 'नेता' कहने लगे थे। रिश्तेदार अनूप कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से आर्थिक कारणों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। परिजनों को आशंका है कि पत्नी के ताने से तंग आकर उदय ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने परिवार की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी पूरामुफ्ती ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतक के परिवार से मिलने वाली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस आरोप के घेरे में आई पत्नी और बच्चों से भी पूछताछ कर रही है।

रसोईया ने बच्चों को झाड़ू से पीटा

विद्यालय सराय सुल्तान में समय पर नहीं पहुंचे शिक्षक, बच्चे खुद कर रहे थे प्रार्थना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, जनपद के विकास खंड बहरिया के प्राथमिक विद्यालय सराय सुल्तान में अध्यापकों की अनुपस्थिति में रसोईया द्वारा बच्चों को झाड़ू से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक विद्यालय में कोई भी शिक्षक नहीं पहुंचा था। बच्चे स्कूल के बाहर खुद प्रार्थना कर रहे थे। इस दौरान रसोईया ने बच्चों को झाड़ू से मारते हुए विद्यालय के अंदर जाने को कहा। किसी अभिभावक ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। इस विद्यालय में अध्यापकों का देर से आना आम बात बन गई है। वीडियो सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मौके पर जाकर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में एबीएसए बहरिया धर्मेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। मामले की जांच की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही प्राथमिक विद्यालय शुक्लपुर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद अधिकारियों ने संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की थी। अब एक और विद्यालय का यह वीडियो सामने आने से शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

दो गाड़ियों की टक्कर

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फायरिंग का आरोप लगाया, पुलिस ने वाहन कब्जे में लिए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के गुन्नौर मोड़ पर सोमवार की दोपहर इनोवा और फार्चूनर कार के बीच टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मामला तनावपूर्ण हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जानबूझकर टक्कर मारने और फायरिंग करने के आरोप लगाए। घटना की सूचना मिलते ही भाले सुल्तान और मुसाफिरखाना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मुसाफिरखाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। एक पक्ष के नेवादा निवासी अखिलेश सिंह ने बताया कि वे मुसाफिरखाना बैंक से पैसा निकालकर घर वापस लौट रहे थे। उनका आरोप है कि गुन्नौर मोड़ से थोड़ा पहले एक बाइक सवार ने उनके ऊपर फायरिंग की। उसके बाद गुन्नौर मोड़ पर उनकी गाड़ी को जबरन रोकने का प्रयास गाड़ी में टक्कर मारकर किया गया। किसी तरह वह बचकर क्षतिग्रस्त वाहन के साथ पास में स्थित कादूनाला चौकी

पहुंचे। अखिलेश ने कैमा निवासी विक्रम सिंह उर्फ विक्की सहित पांच लोगों के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दी। वहीं, दूसरे पक्ष से विक्रम सिंह ने भी अखिलेश सिंह और उनके साथियों पर फायरिंग करने और जानबूझकर उनकी गाड़ी में टक्कर मारने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। एसएचओ विवेक कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

यादव महासभा समेत तीन संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर में सुनील यादव हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को सहायता की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा, हिंदुस्तान समाजवादी प्रजातात्रिक सेना और यादव सेना ने संयुक्त रूप से सोमवार को कलेक्ट्रेट में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा है। सीएम को संबोधित यह ज्ञापन डीएम के माध्यम से भेजा गया है। संगठनों ने सुनील यादव हत्याकांड में कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। ग्राम मदारजीह थाना चांदा निवासी सुनील यादव की हत्या के मामले में नामजद आरोपी संतोष पाण्डेय, विवेक मिश्रा और सुशील निषाद की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है। मृतक के भाई अंकुश यादव को शस्त्र लाइसेंस देने की भी मांग की गई है। संगठनों का कहना है कि आरोपी अपराधिक प्रवृत्ति के और राजनैतिक संबंध वाले लोग हैं। इससे पीड़ित परिवार को खतरा है। ज्ञापन में मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल हुए लोगों पर दर्ज की गई प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग भी शामिल है। साथ ही चौदा थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह को पद से हटाने की मांग की गई है। संगठनों का आरोप है कि थानाध्यक्ष अपराधियों से मिलकर कार्य करते हैं। तीन दिन तक लाश रखे जाने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। मृतक सुनील यादव की पत्नी सरिता को सरकारी नौकरी और उनके एक माह के बच्चे व डेढ़ साल की बच्ची के पालन-पोषण के लिए 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग भी की गई है। संगठनों ने इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। प्रदर्शनकारियों ने मीडिया से कहा कि सुनील यादव को पहले धमकी दी गई। फिर सफेदपोश लोगों ने मिलकर हत्या करा दी। नामजद लोग पीड़ित परिवार को समझौते के लिए धमका रहे हैं।

शिक्षकों ने संस्था अध्यक्ष को पीटा

गंभीर रूप से घायल, सीएचसी में चल रहा इलाज; लात-घूसों से पीटा था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। समाज कल्याण विभाग से अनुदानित विद्यालय शिशु विद्या मंदिर कोइरीपुर में शिक्षकों ने संस्था अध्यक्ष विकास पाठक को जमकर पीटा। बीच-बचाव करने आए दिव्यांग प्रबंधक कृपा शंकर पाठक को भी

धक्का देकर गिरा दिया गया। संस्था अध्यक्ष विकास पाठक और प्रबंधक कृपा शंकर पाठक विद्यालय पहुंचे। इसी दौरान संस्था के कुछ शिक्षकों ने विकास पाठक पर लात-घूसों और डंडों से हमला कर दिया। जब प्रबंधक ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो उन्हें भी धक्का देकर गिरा दिया गया। हमले में विकास पाठक गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। इस मामले में प्रबंधक द्वारा चांदा कोतवाली में शिक्षकों के खिलाफ तहरीर दी गई है। फिलहाल शिक्षकों की ओर से मान-मनौवल के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली चांदा अशोक कुमार सिंह ने बताया कि घटना का संज्ञान लिया गया है। विकास पाठक को चोटें आई हैं। दोनों पक्ष कोतवाली आए थे। मामले की जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

इंडोरामा ने 50 क्षय रोगियों को लिया गोद

जगदीशपुर सीएचसी में मरीजों को पोषण पोटली किट वितरित की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्षय रोगियों के लिए पोषण पोटली किट का निःशुल्क वितरण किया गया। यह पहल औद्योगिक क्षेत्र स्थित उर्वरक इकाई इंडोरामा के सौजन्य से की गई है। सीएचसी के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक सुनील सिंह ने बताया कि इंडोरामा ने 50 क्षय रोगियों को गोद लिया है। कंपनी ने इन मरीजों के पोषण और स्वास्थ्य के लिए विशेष किट उपलब्ध कराई है। पोषण पोटली में मरीजों के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल की गई है। इससे उनके इलाज के दौरान पोषण की कमी पूरी हो सकेगी। कार्यक्रम में पूर्व सीएमओ डॉ. आनंद ओझा भी मौजूद रहे। इसके अलावा वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक सुनील सिंह भी उपस्थित थे। इंडोरामा की ओर से उमाशंकर गुप्ता, सूर्य मिश्रा और अशोक हजरा ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सभी ने मरीजों को उचित पोषण और समय पर इलाज के महत्व पर जोर दिया।

भाकियू ने जनसमस्याओं को लेकर सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

7 दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन की चेतावनी, जलभराव और बिजली समेत कई मुद्दे उठाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी , तिलोई में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने सोमवार को स्थानीय समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। भाकियू की महिला जिला अध्यक्ष शमीमा खान ने नायब तहसीलदार अजय सिंह को पाँच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में इन्हौना कस्बा और आसपास के क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं को उठाया गया है। इनमें जलभराव से मुक्ति और नाली निर्माण शामिल है। आरोग्य मंदिर परिसर की सफाई की मांग भी की गई है। शिक्षा सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया गया है। मियाँ मोहल्ला में लो-वोल्टेज की समस्या का समाधान करने की मांग की गई है। किला झालिया में नाले पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। भाकियू का कहना है कि कस्बे में जगह-जगह जलभराव और नालियों के अभाव से गंदगी फैल रही है। इससे दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। आरोग्य मंदिर के आसपास जलनिकासी की व्यवस्था न होने से मरीजों को परेशानी हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कमी है।

प्राथमिक विद्यालयों की संख्या जरूरत से कम है। मियाँ मोहल्ला में बिजली की लो-वोल्टेज समस्या से लोग परेशान हैं। वर्तमान ट्रांसफार्मर की क्षमता बहुत कम है। किला झालिया में नाले पर अवैध अतिक्रमण के कारण जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। शमीमा खान ने चेतावनी दी है कि अगर 7 दिनों के भीतर इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन और आमजन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपते समय कई गणमान्य नागरिक और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

बरसाना मंदिर के पास पथराव, कई घायल

दुकानदारों के दो गुट भिड़े, श्रद्धालुओं ने भागकर बचाई जान; पुलिस तैनात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बरसाना स्थित राधा रानी मंदिर के मुख्य मार्ग पर सोमवार को बवाल हो गया। दो गुटों में लड़ाई होने लगी। देखते ही देखते लोग लाठी-डंडे लेकर आए। एक गुट की तरफ से पथराव होने लगा। इस दौरान कई लोग घायल हो गए। वहां से श्रद्धालु भी गुजर रहे थे। हालांकि उनको किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर के मुख्य बाजार क्षेत्र में दो गुटों के बीच किसी बात पर बहस शुरू हुई। यह बहस जल्द ही हिंसक रूप ले गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला किया। हिंसक झड़प के कारण बाजार में अफरा तफरी मच गई। दर्शन के लिए आए श्रद्धालु और स्थानीय दुकानदार जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया। घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। घटना के बाद मौके पर तनाव का माहौल बना हुआ है।

नागपंचमी मनाने मायके आई युवती प्रेमी संग फरार

पति के साथ आई थी त्योहार मनाने, मां का आरोप- रिश्तेदार के बेटे के साथ गई, जेवर भी ले गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पीपरपुर थाना क्षेत्र के खाझा गांव में एक युवती प्रेमी के साथ फरार हो गई। वह नागपंचमी का त्योहार मनाने अपने पति के साथ मायके आई थी। युवती की मां ने थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने पुलिस से अपनी बेटी को सकुशल वापस लाने की गुहार लगाई है। मां का आरोप है कि उनकी बेटी उनके ही रिश्तेदार के बेटे के साथ गई है। रिश्तेदार के बेटा लालकपुरवा, थाना हैदरगंज, जिला सुल्तानपुर का रहने वाला है। युवती की शादी 8 जून 2025 को प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र में हुई थी। ससुर का कहना है कि बहू सारे जेवर लेकर फरार हुई है।

10 रुपये के विवाद में पथराव

भैंस की नाद को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद, मारपीट के साथ दोनों तरफ से फेंके ईंट पत्थर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , यूपी के जिला अलीगढ़ के थाना क्वार्सी इलाके की रियाज कॉलोनी में भैंस की नाद को लेकर दो पक्ष आमने सामने आ गए। मारपीट के साथ जमकर पथराव हो गया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि पथराव करीब आधा घण्टे से ज्यादा समय हुआ। सूचना पर डायल 112 की पीआरवी व इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया। घटना में शामिल कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पथराव के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। विवाद का कारण 10 रुपये बताया जा रहा है। घायल मोहम्मद शादाब ने बताया कि वह अपनी दुकान पर काम कर रहा था। सामने भीड़ भाड़ थी। अचानक शोर शराबा होने लगा। गांव हैवतपुर से गाड़ी लेकर 70 - 80 लड़के आये थे। उनके हाथों में लाठी डंडे लगे थे। वह दुकान में छिप गया। कुछ देर बाद बाहर निकला तो आरोपियों ने उसको पकड़ लिया। मारपीट कर घायल कर दिया। सिर व कमर पर चोट लगी है। आगे बताया कि पथराव करीब आधा से पौन घण्टे तक हुआ। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एक अन्य अधेड़ व्यक्ति ने बताया कि बुजुर्ग महिला देखने चली गई थी। वहां पथराव में घायल हो गई। दुकान में छिपकर लोगों ने जाना बचाई। वरना एकाद मर जाता।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० - A - 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी